परमेश्वर जो अनुग्रह में धनी है

आप बैठे जाए। एक प्रकार से मैं... प्रसन्नता से भरा हुआ था, जब अंदर आते हुए मैंने भाई मूर और उन सब लोगो को यहां मंच पर देख रहा था, वे मित्र जिन्हें मैं इतने वर्षों से जानता हूं। निश्चय ही आज रात उनको यहां पर देखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। ऐसे धार्मिक विद्वानों के सामने खड़े होकर बोलने में मैं अपने आप को छोटा अनुभव करता हूं, और हो सकता है मैं जहां पर गलती करूंगा तो वे मेरा सुधार कर देंगे। मैं ऐसी ही आशा करता हूं।

2 आज रात यहां कुछ विशेष लोग, बहन रोज को देख कर हम प्रसन्न है। हम नीचे आ रहे थे... मैं भाई शोरेस और उनके सहायक के साथ, आज, दोपहर के भोजन पर था। और मार्ग में चलते हुए, भाई विलियम ने बताया कि बहन रोज काफी बीमार है। और तब हम उन्हें देखने को थोड़ी देर के लिए गए और घुटने टेके। और उनको तेज बुखार था, और काफी बीमार थी। कुछ शब्दो की प्रार्थना की, और प्रभु हमसे बोला, और कहा कि, "वह ठीक हो जाएगी।" कहा, "कल रात को वह वहां पर होगी," वे कहते हैं। और आज रात वह यहां बैठी है। यह ठीक है।

3 बहन रोज, आप एक मिनट के लिए खड़ी हो जाये, ताकि सब... यह तो बिल्कुल बिस्तर से लगी हुई थी। हम प्रभु का धन्यवाद करते है। उन्होंने कहा कि, "उस—उस शैतान ने तो मुझे हर तरह से तंग किया। यहाँ आते समय भी इससे मुझे कुछ हानी हुई थी," जो कुछ गले और इत्यादि बीमारी की थी। परन्तु प्रभु उन्हें यहां इन हालातो में भी ले आया, इसलिए हम प्रसन्न हैं। प्रिय प्रभु का धन्यवाद कर रहे है!

4 अब हमारा बहुत ही सुन्दर समय चल रहा है। और कल रात को, हम वहां—वहां रमादा में होंगे। और अब भूलियेगा नही, ये कल रात यहां नहीं होगा, ये रमादा में होगा। और अगली रात से बेदारी की सभा या कन्वेंशन आरंभ होगा। और मेरे साथ एक रात और रहना है, आप समझते हैं।

5 पिछली रात मैं—मैं अपने विषय क्रम से अलग निकल गया, मैंने वर्ष

के आरम्भ में अपने आप से प्रतिज्ञा की थी, कि मैं बस संदेशों को तीन या चार, पांच घंटो से कम कर करके, तीस चालीस मिनट में पूरा करने का यत्न करुंगा। और जैसा कि मैंने आपको कल रात बताया, कि मेरी पत्नी ने रविवार के लिए कुछ टिप्पणी की, कि, "मैंने बहुत ही अच्छा किया।" सो—सो इसके बाद, मुझे कल रात भी वैसे ही करना था और समय में गडबड हो गयी। और तीस मिनट के स्थान पर, मैंने पचपन मिनट पिछली रात लगाए।

6 आज रात आते हुए, बिली ने कहा कि, "आप किस विषय पर बोलने जा रहे है? "

7 मैंने कहा कि, "मैंने कुछ छोटे नोट लिख लिए हैं, और कुछ वचन के पद है। मैं नहीं जानता, उसमें चार या पांच भिन्न–भिन्न संदेश है।" मैंने कहा, "जब मैं वहां पहुंच जाता हूं, और अनुभव करता हूं कि क्या चल रहा है।"

8 उसने कहा कि, "आपने वादा किया था कि आप सब बीमारो के लिए प्रार्थना करेंगे।"

मैंने कहा, "जी हां, श्रीमान। आपके पास कितने प्रार्थना पत्र हैं? "

उसने कहा, "दो सौ।"

मैंने कहा, "अच्छा होगा कि मैं आज रात ही आरंभ कर दूं।"

9 और उसने कहा, "अब ध्यान रखे, कि आपके पास बोलने के लिए केवल पंद्रह मिनट हैं।" कहा कि, "बाकी आप पिछली रात में ले चुके है।" हमें जल्दी–जल्दी करना होगा, क्या मुझे नहीं करना है?

10 भाई, हमने आपसे वादा किया है, कि हम उन सब लोगों के लिए प्रार्थना करेंगे जिनके पास प्रार्थना पत्र है, जी हां हम—हम अपनी वायदे के प्रति वचनबद्ध हैं, निश्चय ही। हम उन सब को इन पंक्तियों के द्वारा नहीं ला सकते हैं, और ना ही मैं उन सबको व्यक्तिगत तौर पर बुला पाऊंगा, इस सभा में से। तौभी जहां तक कि पवित्र आत्मा मुझे देगा, मैं—मैं इतना खड़ा ना हो पाऊंगा। यह तो मेरे लिए कठिन होगा। और, पर हम सब लोग इन बातों से परिचित है। हम जानते हैं कि परमेश्वर अब भी परमेश्वर है। वह चीज आपको चंगा नही करती। वह तो केवल आपके विश्वास को बनाती है, ताकि हम जान सके कि—कि हम उसकी उपस्थिति में हैं।

11 और हम आज हम सब बीमार लोगों के लिए प्रार्थना करने जा रहे है, हर उस व्यक्ति के लिए जिसके पास प्रार्थना करवाने के लिए प्रार्थना पत्र हैं। और उसके बाद कल रात को, वहां रमादा में, हम कोशिश करेंगे कि कुछ और प्रार्थना पत्र दे दे और उनके लिए प्रार्थना आरम्भ करे, क्योंकि अभी मेरे पास कल रात भी है। और मैं सोचता हूं कि एक रात मेरे पास बेदारी सभा या कन्वेंशन के लिए है, हो सकता है कि नाश्ते वाला समय भी हो। यह निर्भर करता है कि सब कैसे चलता हैं।

12 यहां पर कुछ व्यक्ता है, जिनका परिचय; अभी तक नहीं हुआ है, मैं नहीं सोचता। भाई हम्बर्ग, या क्या यह... [एक भाई कहता है, "एम्बर्गी।"—सम्पा।] एम्बर्गी, एम्बर्गी, केश एम्बर्गी। इसलिए मुझ—मुझ से गलती हो रही है, यह क्या जर्मनी नाम है। मुझे—मुझे लगता है कि यह जर्मन है। इसलिए यह मुझे कुछ अजीब सा लगा, जैसा कि हम नाम को बुलाते हैं, जिस तरह से उनका नाम लिया गया, उसके लिए क्षमा करें।

13 इस प्रकार से प्रभु में हमारा बहुत अच्छा समय बीत रहा है। आप सब को, यदि यहां कोई नया व्यक्ति आज रात हो तो आपको यहां पाकर हमे सच में प्रसन्नता हैं, और विश्वास करते है कि प्रभु आपको आशीषित करेगा। मेरी यह प्रार्थना है कि आज रात जब हम यह भवन छोड़ेगे तो कोई भी बीमार ना होगा, हमारा प्रभु अपनी महान सामर्थ में नीचे उतर कर आएगा और जितने बीमार और अपाहिज है सब को चंगा करेगा।

14 यहाँ कुछ समय पहले, मैं कुछ लोगो को व्यक्तिगत तौर पर साक्षात्कार के लिए लेता था, कुछ गम्भीर मामलों को जिनसे हम बात नहीं कर पाते थे। प्रभु उन्हें आशीषित करता था, इतने लोग इतनी जल्दी जमा हो जाते है कि उनकी संख्या तीन या चार सौ की प्रतीक्षा वाली हो जाती, और इसलिए हम केवल बैठ कर प्रभु पर निर्भर कर के प्रतिक्षा करते है। हो सकता है, इतने समय में, आपको शायद एक या दो वर्ष रुकना पड़े, इसलिए इसमें आने के लिए, देखो, बस सभाओ के बीच में, ताकि उन्हें साक्षात्कार पर ले जाये। और हम बस बैठकर और प्रभु पर रुके रहेंगे जब तक वह हमें ठीक–ठीक ना बताए कि कौन सा मामला है।

15 इसमें कोई संदेह नहीं है कि आज रात भी बहुत से लोग यहां बैठे हैं जिनका विशेष साक्षात्कार होना हैं। है क्या यहां? जिनका विशेष साक्षात्कार है। वह जरा अपना हाथ उठाए। जी हां, यहां बैठे है, और जानता है कि यह

ठीक है। हम केवल प्रभु की प्रतिक्षा करते है, कि वह क्या कहता है, और क्या समस्या है... और कुछ समय पहले हमने यह बन्द कर दिया था। मैंने बिली से कहा था कि अब हम लोगो का निजी साक्षात्कार नहीं कर सकेगे।

16 देखिए, मैंने—मैंने—मैंने, अभी–अभी, दो बार पच्चीस पार कर लिया है, और तीसरे की ओर बढ़ रहा हूं। और जैसे–जैसे आप उम्र में बढ़ते जाते हैं, तो, आप ना ही... अपने को जैसे पहले आप हुआ करते थे वैसा नहीं रख पाते है। आपके कदम छोटे हो जाते है। और—और, यह सच है कि, भाई मूर इस विषय में अभी तक कुछ नहीं जानते। वह... मैं सोचता हूं कि हम दोनों लगभग एक ही आयू के हैं।

17 जब से आप और मैं, और भाई ब्राउन यहां पर पहली बार यहां आए थे, तब से नदी का पानी काफी नीचे उतर गया है, भाई आउटलॉ और भाई गार्सिया और भाई फुलर के साथ। मुझे बहुत ही प्रसन्नता होगी यदि वे लोग भी आज रात यहां होंगे तो? भाई गार्सिया, भाई फुलर, भाई आउटला, क्या है यहां वह लोग? यदि आप यहां है तो अपने हाथ उठाईए। जी हां, वह रहे भाई फुलर, मैं सोचता हूं, कि यदि मैं गलत ना करूं। तो भाई आउटलॉ यहाँ है। भाई गार्सिया के लिए, मुझे—मुझे विश्वास है, कि यदि वह फीनिक्स ना छोड़ गए हो। मैं सोचता हूं ठीक बात है। वह—वह फीनिक्स छोड़ कर वह कैलिफोर्निया चले गए है। वह तो निश्चय ही बहुत अच्छे दिन थे, और मैं अब तक उसी संदेश का विश्वास करता हूं, जिसका तब करता था, "यीशु मसीह कल, आज और युगानुयुग एक सा है।" मेरा अनुमान है कि यह लगभग जब की बात है... जब, बैकी छोटी थी। लगभग उन्नीस वर्ष की।

18 और अब वह उन्नीस वर्ष की लड़की एक बड़ी, वृद्ध मोटी और बेडौल सी यही कहीं बैठी हुई है। बैकी, तुम कहा हो? इस बात के लिए वह मुझे छोड़ेगी नही। मैं स्मरण करता हूं, कि उसे मैं गोदी में लेता था। तब जो कार्य मेरे पास था वही आज रात कर रहा हूं।

19 भाई गार्सिया के गिर्जे पर मुझे एक रात याद है, वह छोटी सी लड़की थी। और मैंने कहा, "आज रात हमारी एक अंतरराष्ट्रीय सभा है।" मैंने कहा कि, "मैं स्पेनिश लोगो को सम्बोधित करूंगा।" और मैंने कहा, "यहां मेरी पत्नी जर्मन है।" मैंने कहा, "मैं एक आयरिश व्यक्ति हूं।" और मैंने कहा, "और मेरी छोटी लड़की इन्डियन है," और वह बैकी थी।

20 इस प्रकार जब मैं पीछे के दरवाजे पर गया, तो वहां एक छोटी सी

मेक्सिकन लड़की खड़ी थी, बोली, "भाई ब्रन्हम!"

कहा, "हां प्रिय, तुम क्या चाहती हो? "

बोली, "क्या आप नहीं सोचते है कि आपकी बच्ची इन्डियन होने के नाते थोड़ी पीली है? " उसके सुनहरे बाल है, समझे आप।

और मैंने कहा, "अपने व्यवहार में वह इन्डियन है।"

21 तो, हम धन्यवादित हैं, कि, आज रात फिर से यहां है। अब इससे पहले हम वचन पर आये, हम उसके पास चले, क्योंकि वह वचन है। जब वचन प्रगट होता है, वह जो आप में है।

22 जैसा कि पिछली रात हमने *असंगत बीज* पर सुना, क्या आपने प्रभु की आशीषो को सराहा? आप तक सन्देश पहुंचाने को मैंने—मैंने सराहा। और हम देखते हैं कि बीज क्या होते हैं।

23 अब क्या आज कोई विशेष निवेदन है, कुछ खास बात है क्या? हो सकता है आप में से कोई जो प्रार्थना की पंक्ति में आने वाले है, कहिए, "परमेश्वर, दयावान होना। जब मैं प्रार्थना के लिए लाईन में आता हूं, तो होने दीजिए कि मेरा विश्वास उन स्थितियों तक बढ़ जाए।" और—और हो सकता है किसी का कोई प्रिय हो, जो बीमार या और कुछ हो। क्या आप जरा अपना हाथ उठायेंगे ताकि परमेश्वर नीचे की ओर देखे और कहे... अब यदि वह... आप नहीं जानते कि जब मैं यह देखता हूं तो मुझे कैसा लगता है। जब उनकी आवश्यकताओं को देखता हूं! सेवक भाइयों, आप भी एक दृष्टी डाले। समझे? अब, यदि यह मुझे ऐसा अनुभव होता है, तो निश्चय हमारे पिता को कैसा लगता होगा? निश्चित रूप से।

अब आईए हम प्रार्थना करें।

24 प्रिय यीशु, आपके सम्पूर्ण पर्याप्त नाम के द्वारा हम आपके अनुग्रह के सिंहासन के पास आते हैं। "क्योंकि मनुष्य जाति में और कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया जिससे उद्धार हो, परन्तु केवल यही प्रभु यीशु का नाम।" और हम उसके नाम में होकर आ रहे हैं। और स्वर्गीय पिता, हम प्रार्थना करते हैं, कि आप, आज रात, हमें अपने विश्वासी बच्चो की तरह ग्रहण करे। और प्रभु हमारे अविश्वास को क्षमा करें। आज रात हमारी सहायता करें, जिससे कि हम अपनी सारी आवश्यकता जिन चीजों की हमे है परमेश्वर के पूरे वचन पर विश्वास करते हुए प्राप्त करे, उन सारी चीजों के लिए जिनकी हमें आवश्यकता है।

25 आप जानते हैं कि इन उठे हुए हाथों के नीचे क्या है; बीमारियां है, इन में से कुछ लोगो को घर की परेशानियां है, कुछ की आर्थिक परेशानियां है, कुछ इनमें से थके हैं, हो सकता है, कुछ प्रभु में पिछड़ गए, कुछ पापी है। जो भी आवश्यकता हो, मुकाबले में आप किसी भी शत्रु से बढ़कर हैं। इसलिए हम आज रात प्रार्थना करते हैं कि—कि, हम जान लेंगे कि हमारा प्रत्येक शत्रु हारा हुआ है, यहां तक कि स्वयं मृत्यु भी। और उसमें हम जीते हुओं से भी बढ़कर है, जिसने—जिसने हमसे प्रेम किया और अपने आप को हमारे लिए दे दिया, और हमें अपने लहू से धोया है।

26 प्रभु, हम प्रार्थना करते हैं, कि हर अविश्वास, हर शंका, हर निराशा, हर वह बात जो परमेश्वर को पसन्द नही है, हमसे आज रात अलग हो जाएगी, कि पवित्र आत्मा सीधे हमारे ह्रदयो में आ सके। ऐसा हो कि वह हमसे गुप्त रूप में बात करे। होने दे कि वह हमसे अपनी सामर्थ में बात करे। होने दे कि वे जो आत्मिक रूप से मर गए हैं—है, जीवित हो जाए, बीमारो और दुखितो का स्वास्थ लौट आए, निर्बल घुटनों और थके हुए, हाथो को जो लटक गए हैं उठा खड़ा करे। और होने दे कि आनन्दमय समय हो।

27 प्रभु, आज रात ऐसा होने दे, कि जब हम इस स्थान को छोड़ कर रमादा इन जाए, और वहां पर एक ऐसी बड़ी बेदारी सभा या कन्वेंशन का आरंभ करे जो कभी इस नगर में ना हुई। प्रभु, जब हम एक साथ जमा होकर प्रार्थना कर रहे हैं! आपने कहा है, "यदि वह लोग जो मेरे नाम के कहलाते हैं, एक साथ एकत्र हो और प्रार्थना करे, तो मैं स्वर्ग से उनकी सुनूंगा।" और परमेश्वर, हम प्रार्थना करते हैं कि आज रात ऐसा ही हो।

28 अब, पिता, जब हम इन वचनो को पढ़ते हैं, जिसे आपको छोड़ कोई और इसका अनुवाद नहीं कर सकता, आप अपना अनुवाद स्वयं करते हैं, और हम प्रार्थना करते हैं जो कुछ हम आज रात पढ़ते हैं आप ही उसका अर्थ बतायेंगे। इसको हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

29 अब यदि, आप में से कोई इन वचन पदों पर निशान लगाना चाहता है जो यह सेवक पढ़ते है, और आज रात मैं चाहूंगा, यदि आप मेरे साथ निकाले इफिसियों।

30 और पिछले रविवार मैं इफिसियों पर बोल रहा था, किस प्रकार से यहोशू की पुस्तक पुराने नियम की इफिसियों की पुस्तक है, और किस प्रकार से यह छुटकारे की पुस्तक थी।

31 और छुटकारे के दो भाग होते हैं: "कही से बाहर निकलना" और "प्रवेश करना।" पहले, आपको बाहर आना है। कुछ लोग अपने साथ संसार ले कर आना चाहते हैं; परन्तु आपको संसार में निकल कर मसीह में प्रवेश करना है। आपको अविश्वास से निकल कर, विश्वास में प्रवेश करना है। आपके मार्ग में एक चीज नहीं हो सकती। एक सच्चा मूल विश्वास पाने के लिए, आपको हर वह बात जो परमेश्वर के वचन से भिन्न है पीछे छोड़नी होगी, ताकी विश्वास में प्रवेश कर सके।

32 और यह यहोशू की पुराने नियम की पुस्तक इफिसियों की पुस्तक थी। जहां, मूसा व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है, और किसी को नहीं बचा सकता है; केवल अनुग्रह बचा सकता है, और यहाँ *यहोशू* यीशु शब्द के समान है, "यहोवा–बचाने वाला।"

33 और तब, हम पाते हैं कि हम दूसरे इफिसियों के पास आ गए हैं, अब दूसरे इफिसुस में है। जहां पर, वो, हमारे बुद्धी वाले संगठनाओ और इत्यादि, और इस प्रकार के सारे पढ़ाई लिखाई के कार्यक्रम उस—उस यरदन पर आ गए हैं, ताकि हमें फिर से एक—एक इफिसियों मिल सके। हमारा निकास होना चाहिए, कि हम "बाहर निकले" और "जाने के लिए," रेपचर में चले जाए।

34 अब आज रात हम इफिसियों के 2रे अध्याय से पढ़ने जा रहे हैं। यह मैं सब इसलिए कह रहा था कि तब तक आप उस—उस अध्याय को निकाल ले।

> तू, *और उसने तुम्हे भी जिलाया, जो अपने अपराधों और* पापों *के कारण मरे हुए थे:*
>
> *जिन में* तुम पहिले पहल *इस संसार की रीति पर चलते थे, और आकाश के अधिकार के हाकिम, अर्थात उस आत्मा के अनुसार चलते थे जो अब भी* आज्ञा न मानने वालों *में कार्य करता है:*
>
> *इनमें हम भी सब के सब पहिले अपने शरीर* की *लालसाओ में दिन बिताते थे, शरीर और मन की* मनसाए *पूरी करते थे; और लोगो के समान स्वभाव ही से क्रोध की संतान थे।*
>
> *परन्तु परमेश्वर, जो दया का धनी है, अपने उस प्रेम के कारण जिससे उसने हम से प्रेम किया,*

जब हम अपराधो के *कारण मरे हुए थे, तो हमें* उसके *साथ एक साथ जिलाया,* या *मसीह के साथ एक साथ जिलाया (अनुग्रह* ही से तुम्हारा *उद्धार हुआ है;)*

35 मैं यहां से कुछ याने पद का एक भाग, "केवल परमेश्वर," *परमेश्वर जो अनुग्रह में धनी है* लेना चाहता हूं।

36 मैं चाहता हूं कि आप यहां भविष्यव्यक्ता, प्रेरित, याने, कि पौलुस पर ध्यान दे, जो कि—जो कि किस प्रकार से, उसने इस बात का उल्लेख किया है, उसने, "जिसने तुम्हे जिलाया, तुम जो कि मरे हुए थे। उसने तुम्हे जिलाया, जो कभी मरे हुए थे, पापो और अपराधों में मरे हुए थे; संसारिक वस्तुओं के पीछे चलते थे, शरीर की इच्छा, और मन की मनसाये पूरी करते थे। है... "

37 यह बदलाव कैसे हुआ, आप समझे? और इसका क्या कारण था कि, "एक समय मरे हुए थे," कि जिलाये जाये? *जिलाने* का अर्थ है "जीवित करना।" मृत्यु से जीवन यह एक बदलाव आया था। इसको छोड़ और कोई नहीं, इसको छोड़ इससे बढ़ कर कोई और बात किसी मनुष्य के जीवन में नही हो सकती, इतनी महान, कि उसको मृत अवस्था से परिवर्तित करके जीवन में ले आये। एक मनुष्य, जो भौतिक रूप में मर रहा है, उसे शारीरिक रूप से चंगा किया जा सकता है, यह एक महान बात होगी, परन्तु इससे महान क्या होगा जब वह आत्मिक रूप से मर गया हो और परमेश्वर ने उसे जीवन में जिला दिया हो।

38 "आप एक बार, बीते समय में, मरे हुए थे।" आप मर हुए थे। आज रात आप में से यहां बहुत से है, एक बार, बीते समय को याद करे तो आपको मालूम पड़ेगा कि आप मरे हुए थे। परन्तु आज रात आप मरे हुए क्यों नही हैं, जैसे कि आप पहले थे? आप इसी योग्य थे, क्योंकि आप पापी थे, "परंतु परमेश्वर जो अनुग्रह में धनी है।" यही—यही वो बात है, "परमेश्वर जो धनी था।" यह सब वस्तुए हमारे पास थी, "सिवाए परमेश्वर के"! जिसने की यह बदलाव उत्पन्न किया, "परमेश्वर जो अनुग्रह में धनी है"!

39 ओह, मैं कितना प्रसन्न हूं, कि वह अनुग्रह में धनी है। यदि वह केवल पैसो में धनी होता, यदि वह केवल वस्तुओं में धनी होता, जो कि वह है, परन्तु तौभी महान बात यह है कि वह अनुग्रह में धनी है। ओह, यह कितना

महान शब्द है, हम कैसे थे जब एक समय हम मरे हुए थे।

40 और एक रात हम इस विषय पर बोल रहे थे कि बीज को मरना ही है। और हर वस्तु उस जीवांश के चारो ओर होती है उसे मरना ही है, केवल मरना ही नही है सड़ना भी है। यदि वह नही सड़ेगा तो वह जीवित नहीं रहेगा। और *सड़ना*, "पूरी प्रकार से समाप्त होना; वह समाप्त हो जाता है।" और जब तक हम उस स्थान तक नहीं आ जाते जहां पर हमारी धारणा हमारे विचार पूरी तरह से समाप्त नही हो जाते हमारे अन्दर से चले नही जाते, तब जीवन का बीज हममें जीवित होने लगता है।

41 अब—अब मैं आपको एक छोटा सा सिद्धांत देता हूं, मैं यहाँ बस थोड़ी सी शिक्षा को डाल सकता हूँ, जो मैं नहीं... यदि आप इसका विश्वास नहीं करते हैं, तो ठीक है। कोई बात नही। मैं इसे विश्वास करता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि—कि जब कोई व्यक्ति संसार में जन्म लेता है, याने जब आप छोटे बच्चे होते हैं, और संसार में जन्म लेते हैं, तो आप यहां परमेश्वर के बिना पहले से जानी हुई इच्छा के बिना नहीं होते है, क्योंकि वह असीमित है और वह सब बातें जानता है। और जब वह छोटा बच्चा इस संसार में जन्म लेता है, तो उस बच्चे में कुछ होता है। यदि वह कभी जीवन पाने वाला होता है, तो उस बच्चे में कहीं थोड़ा सा कुछ होता है, जो कि, उसमें जल्दी या देर में आता है। वह छोटा बीज उसमें होता है। अब यदि आप... वचनो में देखेंगे तो स्पष्ट दिखाई देगा।

42 अब यदि आज रात हमारे पास अनंत जीवन है, यदि हमारे पास अनंत जीवन है, तो यह सदा से था, क्योंकि अनंत जीवन का केवल एक ही रूप है। हमारे पास सदा से था। और इसका कारण, कि यह हमारे पास था क्योंकि हम परमेश्वर के ही भाग हैं। और केवल परमेश्वर ही ऐसा है जो कि अनंत है।

43 और जिस प्रकार से मल्किसिदेक ने अब्राहम से दशमांश प्राप्त किया, और वह उसके पर–पोतो के पोतो लेवियो का भाग गिना गया, वह जो कि अभी अब्राहम के ही अन्दर थे; उन्होंने अब्राहम के ही अन्दर से, जब वह मल्किसिदेक से मिला, दशमांश दिया। मैं इस विषय पर कहीं और प्रात: की सभा में बोलना चाहता हूं। *यह मल्किसिदेक कौन है?* अब इसे ध्यान दें। परमेश्वर पहले ही से जानता था कि यह बालक आ रहा है। वह सब कुछ जानता है।

44 अब हम परमेश्वर के भाग है। आप सदा से थे। आपको याद नहीं है, क्योंकि आप केवल परमेश्वर के अन्दर गुण थे। आप केवल उसके विचारो में थे। आपका ही नाम, यदि वह कभी जीवन की पुस्तक में था, तो वहां संसार के रचने से पहले वहां था। वह जानता था कि आप क्या थे।

45 मैं मत या सिद्धांतो में मिलावट करने के लिए यह नहीं कह रहा हूं, परन्तु सीधा स्पष्ट करने के लिए कह रहा हूं, ताकि हम इस डर और भय से मुक्त हो जाये। आप नहीं जानते है कि आप कौन हैं। आप परमेश्वर के पुत्र बनने नहीं जा रहे हैं, परन्तु आप अब भी परमेश्वर के पुत्र हैं। देखिये, आप सदा से ही परमेश्वर के पुत्र थे। समझे?

46 जब प्रारम्भ में परमेश्वर ने आपको अपने विचारो में रखा, तो आपका अपना कुछ भाग होना ही है, आपका जीवन जो अब आपके अन्दर है, यह इससे पहले वहां परमेश्वर के साथ होना था। तो, इससे पहले कि वो, वो एक पदार्थ के बन कर इस धरती पर आता, इससे पहले परमेश्वर को छोड़ कोई और वस्तू नही थी, आप उसके एक गुण थे। वह जानता था कि आपका क्या नाम होगा। आपके बालों का रंग क्या होगा वह जानता था। वह आपके विषय में सब कुछ जानता था। केवल एक ही घटना घटी जब आप पापी हो गये...

47 आप में से बहुत से इन विचारो पर मेरे साथ संगती कर सकते—सकते हैं। जब आप एक छोटे से लड़के या लड़की थे, आप इधर–उधर घूमा करते थे तब आपके अन्दर कुछ ऐसी बाते होंगी कुछ होगा, जबकि दूसरे बच्चों को कोई भी परेशानी नहीं थी, और ऐसा लगता था कि आपके अन्दर कुछ है जो चिल्लाता– पुकारता है। कहीं तो परमेश्वर था, जबकी आप एक पापी भी थे। आपको याद है यह? निश्चित ही। अब वह क्या था? वह उस समय एक छोटे से जीवन का रूप आप में था।

48 और जब कुछ समय बाद, आपने सुसमाचार सुना। हो सकता है आप गिर्जे गये हो और *इधर* और *उधर* खोज बीन की हो और एक संगठन से दूसरे संगठन घूमते फिरे हो। परन्तु एक दिन, आप परमेश्वर का भाग होने के नाते, आपको वचन का भाग होना ही था। और जब आपने वचन सुना, तो आप जानते हैं कि आप कहां से आए हैं, सत्य क्या था आप जान गए। आप सदा से थे, बीज आप में हमेशा से था। वचन ने उस वचन को जो आप में था देखा, और यह सृष्टी के रचने से पहले आप में था, वचन को

देखा और आप इसके पास आ गए।

49 जैसे कि मेरी उकाब वाली कहानी में मुर्गी के नीचे निकला हुआ उकाब कितना ही छोटा क्यों ना हो। और वह छोटा उकाब मुर्गी के बच्चो के साथ घूमता जब मुर्गी बोलती तो वह उसके बोलने को बिल्कुल नहीं समझ पाया। और—और उन छोटे चूजो, का खाना पिछवाड़े कूड़े पर हुआ करता था, उसकी—उसकी समझ में नहीं आता कि वे कैसे खा लेते है। परन्तु उसके अन्दर कुछ तो था, जो बाकी के उन चूजो से कुछ भिन्न दिखाई देता था, क्योंकि वह आरंभ से ही उकाब था। यह ठीक बात है। एक दिन उसकी माँ उसे ढूंढती हुई आती है, और, जब वह उकाब की आवाज को सुनता है, तो यह मुर्गी की आवाज से भिन्न थी।

50 और नए सिरे से जन्मे विश्वासी के साथ भी यही होता है। यदि आप चाहे तो सारा धार्मिक ज्ञान सुन सकते हैं, और मनुष्य की बनाई हुई सारी विरोधी बाते; परन्तु जब वचन की चमक होती है, तब आपके अन्दर कुछ होता है, और आप उसके पास आ जाते हैं। "आप जो एक समय पापो में मृत थे (तब उसका जीवन) हमे जिला देता है।" पहले वहां जीवन होना है जिसको वह जगा देता है। परमेश्वर, अपनी पहले से जानी हुई मनसा में, सब जानता है। और हम पहले ही से परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां ठहराए हुए थे। "तुम जो पहले अपने पापो और अपराधों में मरे हुए थे, जहां पर हमने अपना सारा समय बिताया, परन्तु उसने हमे जिला दिया।"

51 पौलुस को देखिए, जब वह महान धार्मिक विद्वान था। परन्तु जब वह यीशु के वचन के सामने आया, वह जी उठा। वह तुरंत जीवित हो गया, क्योंकि वह पहले ही से इसके लिए ठहराया गया था। वो... वह वचन का भाग था; और जब वचन ने वचन को देखा, यह उसका स्वभाव था। उन रूढिवादी गिर्जो में उन मुर्गियों की आवाज उस पर कोई प्रभाव ना डाल सकी; उसने वचन देख लिया। वह उसका भाग था। वह चूजा नही उकाब था। वह तो कुछ समय के लिए घुरे पर उनके साथ था। परन्तु वह तो प्रारम्भ ही से उकाब था।

52 ऐसी ही एक और कहानी, मैंने सुनी है, मैं आशा करता हूं यह बुरी नही लगेगी, एक छोटी बत्तख की, जिसने एक समय मुर्गी के नीचे जन्म लिया। वह नहीं समझ सका। एक छोटा सा अजीब सा जन उसकी समझ में यह मट्टी वगैरा नही आयी। वे आनाज वाले मैदान में खेलते थे। परन्तु एक दिन

बूढ़ी मुर्गी सब बच्चो को खलिहान के पीछे ले गई, और उसे पानी की गंध लगी। भाई, फिर तो वह पानी की ओर जितना हो सकता था उतनी तेज दौड़े। क्यों? वह तो पहले कभी तालाब पर नहीं गया था। वह कभी भी पानी में नहीं गया था। परन्तु वह तो जन्म से ही बत्तख था। केवल यह था कि उसे अपने आप में आना था।

53 विश्वासी भी ऐसा ही होता है। उसमें कुछ तो होता है, जब वह परमेश्वर से आमने–सामने मिलता है, तो अपने आप में आ जाता है। वह बीज जो उसके अन्दर है, वह उत्तेजित हो जाता है। अरे भाई, यह तो बिल्कुल सत्य है, और वह संसार की वस्तुओं से दूर हट जाता है। वह उसके लिए मर जाती है। मैं याद करता हूं कि हम सब में बीते दिनों में संसारिक वस्तुओं का जीवन था। परन्तु एक बार जब हमें मूल वस्तू मिल गयी, वह चीज जिसने हमे जीवित कर दिया, एक छोटा बीज जब जीवित हुआ, तब संसार की सारी वस्तुयें वहां बेकार हो गई। हम में अब उन वस्तुओं के लिए कोई इच्छा ना थी।

54 "वह जो परमेश्वर से उत्पन्न हुआ है, वह पाप नहीं करता। वह उपासक जो एक बार शुद्ध हो चुका, उसके अन्दर पाप का विवेक नही होता, पाप करने की कोई इच्छा नहीं होती।" पाप का प्रश्न समाप्त हो गया। आप मसीह में परमेश्वर के भाग हैं। मसीह आपको बचाने के लिए मरा।

55 अब जरा इन सब बातों पर सोचे कि हम क्या होते यदि यह सब परमेश्वर द्वारा ना होता। परन्तु परमेश्वर ने, जो अनुग्रह में धनी है, उसने आज रात हमें बचा रखा है! यदि परमेश्वर अनुग्रह में धनी ना होता था, तो आज रात हम कहाँ पर होते?

56 मनुष्य के कारण ही भ्रष्टता संसार में आयी, और यहां तक एक समय इतना पापमय हो गया था कि परमेश्वर भी मनुष्य को बना कर दुखित हुआ। पूरे सर से लेकर नीचे तक सारा शरीर सड़ाहट से भर गया था, और यहां तक कि परमेश्वर मनुष्य के बनाने से दुखित हुआ। इसलिए उसने कहा, "मैं उस मनुष्य को जिसको मैंने रचा था नष्ट कर दूंगा।" वह उन्हें नष्ट कर देगा क्योंकि उसमें अब भ्रष्टता को छोड़ और कुछ नही है।

57 और उस समय पर सारी मनुष्य जाति समाप्त हो जाती, परन्तु परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, वह निर्दोष को दोषियों के साथ मरने नहीं देगा। और उसने जाकर एक मार्ग उन लोगों के लिए तैयार किया जो उस पर चलना

चाहते थे, और जो वही करना चाहते थे जो ठीक था। उसने एक अनुग्रह का मार्ग उनके लिए बनाया जो अनुग्रह की इच्छा रखते थे, और उसने एक जहाज बनाया। दूसरे शब्दों में, उसने अपने उकाबों को पंख लगा दिए, ताकि वह न्याय से ऊपर उड़ सके, और चूजों के साथ ना डूब जाए। परंतु उसने—उसने नूह के दिनों में बच निकलने का एक मार्ग बनाया। उसने मार्ग बनाना ही था, इसका प्रबन्ध करना था, क्योंकि वह अनुग्रह में धनी है।

58 परन्तु उसके इस मार्ग का प्रबन्ध कर देने के बाद उन्होंने इसका इन्कार कर दिया, अब, उनके मार्ग का इन्कार करने का कारण यह था। क्योंकि उनके अन्दर इसे ग्रहण करने के लिए कुछ नहीं था। मेरी मां कहा करती थी, "तुम शलगम में से लहू नहीं निकाल सकते, क्योंकि उसमे लहू होता ही नहीं।" इसलिए यदि वहां जीवन का कुछ भी नही है कि इसे ग्रहण करे, तो यह ग्रहण नहीं किया जा सकता।

59 यही कारण था कि फरीसी यीशु के चेहरे की ओर देख सकते थे, और उसे "बालजबूल," कहते थे, क्योंकि उनके अन्दर ऐसा कुछ भी नही था जो उसे ग्रहण करते। "परंतु वह सब जो पिता ने मुझे दिया है," उसने कहा, "वह मेरे पास आयेगा।" वहां—वहां कोई तो ऐसा तरीका है जिससे कि वह प्रगट होगा।

60 आप कभी सड़को पर चलते हुए लोगों से प्रभु के विषय में बात करे, तो वह आपके सामने हंसते हैं। तो, हमे कैसे भी यह करना है। लेकिन सुनिए, "जब तक पहले पिता ही ना खींच ले, कोई मनुष्य मेरे पास नही आ सकता।" परमेश्वर को ही खीचना है। उसमें जीवन होना ही है। "और वह सब जो उसने मुझे दिया है, मेरे पास आएगा।"

61 जो बचना चाहेंगे उनके लिए तरीका बना है। जो चंगे होना चाहते हैं उनके लिए उसने प्रबन्ध किया है। और यह क्योंकि उसने किया है, इससे वह अनुग्रह में धनी हो जाता है, जैसा की वह सदा से अनुग्रह में था। यह होना ही है, यदि आप इसे नकारते हैं, तो फिर केवल न्याय के और कुछ नहीं है, क्योंकि पाप का न्याय होना ही है।

62 फिरौन, जब नकल करने के लिए उस—उस समुद्र पर पहुंचा, यह देखकर जैसे मूसा चला गया वह भी जा सकता है। ऐसा लगता था मूसा अपनी सेना के साथ, और फिरौन अपनी सेना के साथ, दोनों ही समुद्र में

नष्ट हो जायेंगे। परन्तु परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, उसने अपने हिब्रू बालको के लिए बच निकलने के लिए मार्ग बनाया, (क्यों?) क्योंकि वह अपने कर्तव्य को ठीक–ठीक पूरा कर रहे थे, वह वचन का पालन कर रहे थे।

63 अब केवल यही तरीका है कि हम अनुग्रह प्राप्त करे, जो आज्ञाये उसने हमें पालन करने के लिए दी है उनका पालन करे। यही विधी है जिससे वह अनुग्रह प्रगट करे, कि जो बातें उसने करने के लिए कही है उनका पालन करे।

64 अधिक समय नही हुआ, कि एक सेवक से छोटा सा वाद विवाद हुआ जिसमें उसने कहा कि मैं इन दिनों में प्रेरितो के मत सिद्धांतों को सिखा रहा हूं। मेरे विश्वास में मैं इस बारे में एक या दो रात बात की थी, या कभी–कभी, पहले बता चुका हूं कि उसने कैसे कहा, "तुम इस युग में, प्रेरितो के सिध्दांत को लोगो के ह्रदय में डालने का यत्न कर रहे हो।" उसने कहा, "प्रेरितों का साथ ही उनका युग समाप्त हो गया।"

और मैंने उससे पूछा, "अच्छा, क्या आप वचन का विश्वास करते है? "

उसने कहा, "हाँ।"

65 मैंने कहा, "प्रकाशितवाक्य 22:18 कहता है, कि, 'जो भी इसमें एक भी शब्द घटायेगा, या इसमें एक शब्द बढायेगा,' दो शब्द नही; एक शब्द, एक शब्द भी निकालेगा।"

कहा कि, "मैं यह विश्वास करता हूं।"

66 मैंने कहा, "कि मैं यह आपको बता सकता हूं कि कहाँ पर प्रेरित युग दिया गया है, और प्रेरितों की आशीषे कलीसिया को दी गई है; अब आप मुझे यह बताएं वचन में कि कब परमेश्वर ने यह कलीसिया से वापस ले ली। आप नहीं बता सकते; यह वहां है ही नहीं।" मैंने कहा, "अब याद रहे कि पतरस जो पेंटीकोस्ट के दिन, वो—वो प्रेरित युग का परिचय करवाने वाला बना। और उसने सब को बताया कि, 'पश्चाताप करे, और पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा का दान पाओगे। क्योंकि यह प्रतिज्ञा तुम से, और तुम्हारी सन्तानों, और उन सब दूर–दूर के लोगो के लिए हैं, जिनको प्रभु हमारा परमेश्वर बुलाएगा।'"

67 अब यदि आप किसी संगठन की मुर्गी की आवाज सुनना चाहते हैं, और संसार की उन्ही बातो में जीवित रहना चाहते हैं, तो यह प्रगट होगा कि कोई गड़बड़ है। क्योंकि, यह तो वचन है। "जो भी चाहे आ सकता है।" और यदि आपमें इच्छा है, तो आपको आना चाहिए। परन्तु यदि आप में इच्छा नहीं है, तो आपकी स्थिति शोकनीय हैं। परन्तु यदि आपमें इच्छा है, कि आप आए तो आकर परमेश्वर के सिध्दांत का पालन करें!

68 और जो भी उसने प्रतिज्ञा की है उसे पूरा करने वह कभी भी असमर्थ नहीं है। एक समय मैं यूवक था, और अब बूढ़ा हूं, मैंने उसे उसके वचन में कभी भी असफल नहीं देखा। क्योंकि, वह सब कुछ कर सकता है परन्तु असफल नही होता। वह ना कामयाब नहीं हो सकता। परमेश्वर असफल नहीं हो सकता। परमेश्वर के लिए असम्भव है कि वह असमर्थ रहे, और परमेश्वर बना रहे। उसको तो, यह करना ही है।

69 फिरौन की सेना ने नकल करने की कोशिश की, क्योंकि वह बुलाये हुए नहीं थे और उनके अन्दर वह जीवन नहीं था। में... फिरौन से कोई प्रतिज्ञा नहीं हुई थी। प्रतिज्ञा उसे प्रतिज्ञा के देश के लिए नहीं दी गई थी।

70 और नकल करने वाला विश्वासी के पीछे चल रहा है, वह केवल इसलिए बुलाया गया है, कि ऐसा करने से हंसी का पात्र बने। हमारे धार्मिक तंत्र के साथ आज यही बात है, आज बहुत से लोग है जो पवित्र आत्मा की नकल उतारने का यत्न कर रहे हैं, बहुत से लोग बपतिस्मा की नकल कर रहे हैं, बहुत से लोग प्रेरितो के युग की नकल कर रहे है। यह तो विश्वासियों के लिए है, और केवल उन्ही के लिए। परमेश्वर अनुग्रह में धनी है, उसने यह मार्ग बनाया है, कि उसके बालक नष्ट ना हो। यह उसने उनके लिए मार्ग बनाया है।

71 अब, फिरौन जो पीछा करने की कोशिश कर रहा था, उसी पानी में डूब गया जिसने मूसा और उसके झुंड को बचाया। अब, मूसा नहीं डूबा, क्योंकि परमेश्वर जो अनुग्रह में उन लोगो के लिए धनी है, जो उसके बताए मार्ग पर चल रहे हैं। आमीन।

72 आप देख सकते हैं मेरा क्या अर्थ है? आज रात, वह लोग जो दिव्य चंगाई में विश्वास नहीं करते, वह लोग जो पवित्र आत्मा के बपतिस्मे में विश्वास नहीं करते, तो वह कैसे कुछ भी प्राप्त कर सकते हैं? परमेश्वर उनके लिए अनुग्रह में धनी है, जो उसका अनुकरण करते है; ना कि मतो

का, परन्तु परमेश्वर का।

73 परमेश्वर वचन है, और उसने शरीर बन कर और हमारे बीच में वास किया, ताकी वह अब हमारे सामने परमेश्वर की दूसरी विशेषता ला सके। वह शरीर, यीशु, परमेश्वर का शरीर था, एक विशेषता या गुण था। मूसा ने उसे निकलते हुए पीठ की ओर से देखा, किसी भी मनुष्य ने उसका मुख नहीं देखा। परन्तु हमने उसे देखा है, हमने उसकी ओर, एक बलिदान के रूप में निहारा है, ताका है। अब, देखिए, वह परमेश्वर की एक विशेषता था, जो कि वचन के रूप में प्रगट किया गया। यही वह था भी।

74 और जब कोई विश्वासी परमेश्वर के पास आता है, तो वह उसके वचन का गुण बन जाता है, वह उस समय के वचन की प्रतिज्ञा को प्रगट करता है। समझे? यह ठीक बात है। परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, हमे बिना गवाही के नहीं छोड़ता। वह अनुग्रह में धनी है।

75 अब हम पाते हैं कि परमेश्वर मूसा पर मृत सागर, मतलब वहां लाल सागर पर उस जगह इतना अनुग्रहकारी था। तब उसने यहां निर्गमन 19:4 में कहा, उसने कहा, "मैं तुम्हें उकाब के पंखों पर अपने पास ले आया। उनको उकाब के पंखों पर लाया, और आपको अपने में ले आया!" वहां सागर के बीच में एक और व्यक्ति था, जो नकल करने की कोशिश कर रहा था। लेकिन क्या? "वह उनको उकाब के पंखों पर ले गया।"

76 अब परमेश्वर सदा अपने भविष्यद्वक्ताओं को उकाबो से दर्शाता है। और यह क्या था? मूसा उसका दूत था। और वे मूसा के पीछे चल रहे थे, और यही उकाब के पंख थे, जिस पर वह ले जाये गये थे, क्योंकि उसके पास परमेश्वर का संदेश था। और लोगों ने उसका अनुकरण किया। जब वह मूसा के छुटकारे के सन्देश के पीछे चल रहे थे तो वह परमेश्वर के पीछे चल रहे थे। और बाईबल बताती है कि, "वह, जिन्होंने विश्वास नहीं किया उनके साथ नष्ट नही हुए।" परमेश्वर उनके लिए अनुग्रहकारी था, क्योंकि वे उसके आदेश का पालन कर रहे थे। परमेश्वर चाहता है कि हम उसकी आज्ञाओं का पालन करें।

77 हम यही बात कोरह और दातान और उनके झुण्ड के अविश्वासी लोगों के लिए कह सकते हैं, जैसा की वह उसकी नकल करने की कोशिश कर रहे थे। वे परमेश्वर के कार्यक्रम में गडबड करना चाहते थे। उन्हें एक मनुष्य का कार्यक्रम पसंद नहीं था। उन्हें यह पसंद नहीं आया। उन्हें कुछ तो करना

ही था। कोरह ने कहा, "क्यों, मूसा यहां तुम से भी अधिक पवित्र लोग है। तू अपने को ऐसा दिखता हैं जैसे तू ही एक समुद्र का किनारा हैं... या तू ही समुद्र किनारे का एक चिकना पत्थर हो, बल्कि।" और उसने कहा, "मैं—मैं... तुझे नहीं करना चाहिए। और यहाँ और भी लोग है।"

78 और मूसा यह जानता था कि वही इन बालकों को उस प्रतिज्ञा किए हुए देश में ले जायेगा, क्योंकि प्रतिज्ञा उसी से की गई थी। और उसे उन्हें प्रतिज्ञा की हुई भूमी में पहुंचना है।

79 और, आज, पवित्र आत्मा यहां परमेश्वर के वचन को सत्य सिद्ध करने के लिए यहां है, और यही उकाब के पंख है मानो जिस पर कि हमें सवार होना है; ना कि मनुष्य के द्वारा बनाये धर्मज्ञान पर। परन्तु हमें उकाब के पंखों पर सवार होकर, प्रतिज्ञा किए हुए देश में जाना है।

80 और यहाँ कोरह के विचार चूजो के झुंड को इकठ्ठा करने जा रहे है, आप जानते हैं, कि वह उकाब की नकल करने आये है। और जब उन्होंने ऐसा किया, तो परमेश्वर ने कहा कि, "अपने आप को उनसे अलग करो," और उसने संसार को निगल लिया। उसने तो सब चीज को, सारी सृष्टी को निगल लिया होता, परन्तु परमेश्वर उनके लिए अनुग्रह में धनी है, जो उसके वचन का पालन करते हैं। परमेश्वर सदा अनुग्रह में धनी है। उनमें से बहुत से मूसा की ओर आ गये, और परमेश्वर ने धरती को खोल दिया और वह अविश्वासियो को निगल गई। वह, वो—वो अविश्वासी है, हमेशा नष्ट होगा।

81 वे लोग जिन्होंने विश्वास नहीं किया, यधपि वे बाहर निकल कर आए और कुछ समय साथ चले, यीशु ने कहा, वे, परन्तु, "वे, सब मर गए।" और *मृत्यु* का अर्थ "आस्तित्व का मिट जाना" है। वे मरे हुए हैं। जरा उनके विषय में सोचे। वे निकल कर बाहर आये, और परमेश्वर के आश्चर्यकर्म देखे, परमेश्वर के बलवन्त हाथ को देखा, मन्ना से आनन्दित हुए; और वहां से निकल कर एक मनुष्य की सुनी जिसका नाम बालाम था, जिसने परमेश्वर के मार्ग को अपनी वचन विरोधी शिक्षा से भ्रष्ट किया, "हम सब भाई लोग है, इसलिए आईये हम सब इकठ्ठे हो जाये।"

82 आज बालाम का दूसरा कार्यक्रम खड़ा हो रहा है, "चलिए सब इकठ्ठे हो जाये।" यह काम नहीं करेगा। आइए हम उकाब के साथ चले, यहोवा उकाब। और आप छोटे उकाब है।

83 उस पूरे झुण्ड में से केवल तीन बचे; मूसा, कालेब और यहोशू। और बाकी सब जंगल में नष्ट हो गए; संत यूहन्ना के 6वे अध्याय में, यीशु ने ऐसा ही कहा है। परमेश्वर, अपने अनुग्रह में, उनको बाकी अविश्वासियों के साथ नष्ट नही होने देगा। वे सब वहीं जंगल में मर गए, और वे मरे हुए है। परमेश्वर ने मूसा और विश्वासी उकाबो को बचा लिया, क्योंकि उन्होंने वचन का आदर किया।

84 और मित्रो, आज हम एक ही विधी से परमेश्वर का अनुग्रह प्राप्त कर सकते हैं; परमेश्वर जो आज अनुग्रह में धनी है, केवल जो उसने कहा है उसका आदर करे। किसी और ने क्या कहा है उससे कुछ नही मिलेगा। आपको परमेश्वर ने जो कहा है वह लेना होगा। उसने कहा, "हर मनुष्य का वचन झूठा ठहरे और मेरा सच्चा।"

85 आज हमें बहुत से स्थानों में यह बताया जाता है कि, "आपको केवल यह करना है," "कि गिर्जे की सदस्यता को लेकर उनके मत के विश्वास करे या जो भी है, उसे ग्रहण कर लो; या प्रार्थना को बोलो, या अपना नाम किताब में लिखवा लो, या जल के छीटे पड़वा लो या कोई अलग तरह का बपतिस्मा, या ऐसा ही कुछ। आपको बस केवल यही करना है।" परन्तु यह गलत है।

86 परमेश्वर का उकाब होने के लिए, आपको दिन प्रतिदिन उसके वचन का पालन करना होगा। आपको लगातार वचन रूपी भोजन खाना होगा।

87 अब इसके बाद हम फिर से उन्हें बुडबुडाते हुए पाते है, परमेश्वर के अनुग्रह दिखाने के बाद हम उन्हें विश्वास में निर्बल पाते हैं। और हम देखते है कि वे परमेश्वर पर बुडबुडाते है, और, जब उन्होंने ऐसा किया, तो वे सांप के काटने से मर रहे थे। देखिए वे इसी योग्य है। उन्होंने यही किया। कोई भी जो परमेश्वर के वचन में गलती करता है और वही करे जो उन्होंने किया, तो मरने योग्य है। जिन्होंने भी उनमें से इच्छा की वे जंगल में मरने योग्य ठहरे।

88 परन्तु जब वे इतने बीमार थे कि यहाँ तक डॉक्टर मूसा या कोई भी कुछ भी नही कर सका, और वे हजारों की संख्या में मर रहे थे; परन्तु परमेश्वर, जो दया में धनी है, उसने उनके लिए जो उस पर विश्वास कर सकते थे उनके बच निकलने के लिए मार्ग बना दिया। उसने पीतल का सांप स्थापित करने के द्वारा विषमार दवा बना दी। परमेश्वर ने उदारता में...

परमेश्वर ने बच निकलने का मार्ग बना दिया ताकि उसके विश्वासी बच्चे चंगे हो जाए।

89 परमेश्वर हर एक गलती में रुची रखता है, हर वह बात जिसकी आप आशा करते हैं। जीवन के हर मार्ग में, परमेश्वर आप में रुची रखता है। आप उसके बालक है, और वह अनुग्रह में धनी है। वह आपके लिए करना चाहता है।

90 उसको जीवन में लेने के बाद भी उन्होंने पाप किया, इसी चीज को उस पीतल के सांप के द्वारा परमेश्वर ने उनके लिए प्रायश्चित का मार्ग बनाया, जो कि यह दर्शाता है कि पाप का न्याय हो चुका, और उस वरदान को उन्होंने मूर्तिपूजा में बदल दिया। और इससे फिर पाप हुआ। "परमेश्वर अपनी महिमा किसी को नहीं देता।" इसलिए, हमारे पास दो, तीन, चार ईश्वर नहीं हो सकते। केवल एक ही परमेश्वर है। वह अपनी महिमा को किसी और चीज के साथ नहीं बांटेगा। वह तो स्वयं अकेला परमेश्वर है, समझे; इसलिए मूर्तिपूजको के पास बहुत से ईश्वर हैं। हमारे पास एक ही परमेश्वर है, और वह अपनी महिमा दूसरे के साथ नहीं बांटेगा, ना ही वह अपने सामने किसी वस्तू को मूरत बनने देगा। यधपि उसने लोगों के लिए मेल मिलाप का साधन बनाया था, और वह परमेश्वर का वचन था, वह ठीक था; परन्तु जब वह मूर्तिपूजा के रूप में बदल गया, तब वे संकट में पड़ गए।

91 मैं सोचता हूं, कि यही वह बात है, जो हमारे कलीसियायी युगों में हुयी है। परमेश्वर ने मार्टिन लूथर का संदेश उसके संदेश के साथ भेजा, जॉन वेस्ली, पेंटीकोस्टल संदेश के साथ, परन्तु हम इसका क्या करे? बिल्कुल वही बात जो उन्होंने पीतल के सांप के साथ की थी, कि हमने इसकी मूरत बना ली, "मैं *इससे* संबंधित हूं, और मैं *उससे* संबंधित हूं।" देखिए, आप किसी चीज से बिना सच्चाई के साथ सम्बन्धित हैं, जो कि मूल वचन की ईश्वरीय आराधना से जुड़ा हुआ है।

92 क्या हुआ? बाईबल में, बाईबल हमें बताती है, कि, "भविष्यवक्ता ने मूर्ति ली और उसे नष्ट कर दिया।" हाल्लेलुय्या!

93 आज के दिन हमें किस बात की आवश्यकता है यह कि भविष्यवक्ता उन संगठनो की मुर्तो को ध्वस्त कर दे, जिस पर कि वे सोचते हैं कि हम अपने इन मतो या संगठनो से जिन से सम्बधित है इनके द्वारा स्वर्ग को

जायेंगे; आवश्यकता है कि उन्हें नष्ट कर दिया जाये, जला दिया जाये, फेक दिया जाये। परमेश्वर अनुग्रह से परिपूर्ण है। वह अनुग्रह में धनी है। इन दिनो में जब हमारे सामने दुर्व्यवस्था का अंधकार चारो ओर है, परन्तु परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, उसने हमारे पास अपना सच्चा वास्तविक सच्चा पवित्र आत्मा, अपने खुद के अनुवाद के साथ भेजा है, जो कि इस समय आज रात इस भवन में है। परमेश्वर, अनुग्रह में धनी है, हम उसे कितना अद्भुत पाते हैं! जी हां, श्रीमान।

94 उन्होंने सोचा कि जो कुछ वे कर सकते थे कि केवल उस सांप के पास जाकर, या उस वस्तु के जिसको परमेश्वर ने बनवाया था, जिसको मूसा ने बनाकर और एक खंभे पर लटकाया था, और वे ठीक हो सकते थे बिना किसी ह्रदय की सच्चाई के। वे केवल खड़े होकर और उसे देखते थे। और उन्होंने उसकी मूर्ती बना ली, और परमेश्वर ने एक भविष्यवक्ता भेज कर और उसे नष्ट कर दिया।

95 अब, जिन्होंने जंगल में उस सांप की ओर देखने से मना किया, वे नष्ट हो गए। परमेश्वर एक मार्ग बनाता है, यदि आप उसकी ओर देखने से मना करते हैं, यदि आप सड़क पार बैठ कर, अपने मत को पकड़े बैठे रहेंगे और सीधे वचन में देखने से इंकार करेंगे कि यह ठीक है या नहीं; वे सब जिन्होंने देखने से इंकार किया, नष्ट हो गए। और परमेश्वर ना बदलने वाला परमेश्वर है। उन सब ने जिन्होंने देखने से इंकार किया, नष्ट हो गए। आज भी, बिल्कुल ऐसा ही है।

96 और जैसा उन्होंने हमेशा से किया उन्होंने बाद में पाप किया, और इसमें से—इसमें से उसकी मूरत बना ली, उसे बनाया और एक—एक—एक... करते हुए, उससे बिना ह्रदय की सच्चाई से चंगाई प्राप्त करने की कोशिश की, और वे "किसी चीज से संबंधित थे," और जिस प्रकार आज हम हैं। और तब हम इसमें भिन्नता देखते हैं, जो कि परमेश्वर का...

97 यह एक अच्छा छुटकारा था और उस समय के लिए अच्छा चिन्ह था। उस समय, यह ठीक था। परन्तु यह केवल उस समय के लिए होना था, उस यात्रा के लिए था। वह केवल *उस* यात्रा में ही काम आने के लिए था।

98 और वह संदेश जो मार्टिन लूथर, न्यायोचित ठहराने का लाया था, वह लूथर युग के लिए ठीक था। और जहाँ तक वह चला।

99 पवित्रीकरण वैसली युग में ठीक था। और वह जब तक चला।

100 तब हम पेंटीकोस्टल युग में आते हैं। और वरदानो का वापस आना बहुत अच्छी बात है, वह उस युग में ठीक था, परन्तु अब उस युग से आगे बढ़ रहे हैं। हम उससे आगे हैं, बस उतने ही निश्चित जैसे कि एक संसार है। हमेन उन बातो से आगे बढना है, क्योंकि हमने भी वही कार्य किया है जो उन्होंने पहले किया था, इसमें से उसकी एक मूरत बना कर। "मैं *इस* कार्यक्रम से संबंधित हूं, मैं *उस* कार्यक्रम से संबंधित हूं।"

101 परमेश्वर किसी को भेजेगा जो इन चीजो को ध्वस्त कर देगा और टुकड़े–टुकड़े करके तोड़ देगा, और उसके वचन को प्रमाणित करेगा, पूरे वचन को। ध्यान दें। परमेश्वर की महिमा हो! अब हम देखते हैं कि यह सत्य है। परमेश्वर, अपने अनुग्रह में धनी है!

102 तब जब भविष्यवक्ता ने इसे नष्ट कर दिया, तब वे चंगाई और छुटकारे के लिए, बिना चिन्ह के रह गए, क्योंकि उनकी मूरत नष्ट हो गयी। परन्तु परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, उसने उनके लिए दूसरा बनाया। और उसने क्या किया? उसने मंदिर के पास तालाब में पानी को हिलाना आरम्भ किया, और बहुत से आकर उस पानी में उतर कर चंगे हुए। यीशु इसी तालाब के पास आया, और एक मनुष्य को देखा जो वहां वर्षों से पड़ा हुआ था, पानी हिलने की प्रतिक्षा में था। देखिए परमेश्वर जो अनुग्रह में धनी है! यदपि उन्होंने उसकी मूरत बना ली थी, और भविष्यव्यक्ता को उसे नष्ट करना पड़ा था, परमेश्वर ने उनके लिए दूसरा रास्ता बनाया, क्योंकि वह दया में का धनी था। और वह उन्हें चंगा करना चाहता था, और उसने उनके लिए चंगाई के लिए मार्ग बनाया।

103 अब, यह इसी प्रकार चलता रहा, संसार और पापमय हो गया और समय बीतने के साथ और अधिक पापमय होता गया। और अंत में संसार इतना पापी हो गया कि परमेश्वर इसे नष्ट कर देता, तब मलाकी 4 में कहा, "ऐसा ना हो कि मैं आकर पृथ्वी को सत्यानाश करुं।" वह ऐसा कर सकता था; यह एक प्रश्न है।

104 परन्तु तब परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, उसने एक बचाने वाला भेजा, यीशु मसीह। और उसने यीशु को बचाने वाला और चंगा करने वाला दोनों करके भेजा। क्योंकि उसने कहा, "जैसे मूसा ने जंगल में सांप को ऊंचे पर चढ़ाया, इसलिए मनुष्य का पुत्र भी ऊंचे पर चढ़ाया जाना चाहिए," उसी उद्देश्य के लिए। वह, जो कि छुटकारा है हम उस पर किसी और बात का

दावा नहीं करते केवल छुटकारे का। जो यीशु ने अपने लहू से खरीदा, हम उसी का दावा करते है। और बाईबल ने कहा है कि, "वह हमारे अपराधों के कारण घायल हुआ, वह हमारे अधर्म के कामों के हेतू कुचला गया, हमारी ही शांति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी कि; और उसके कोड़े खाने से हम लोग चंगे हो गए।" यही है जिसका हम दावा कर सकते हैं, क्योंकि यही छुटकारा है, इसी का हम जिम्मा लेते हैं, यही हमारे लिए आज्ञा दी गयी है। परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है!

105 क्योंकि वह स्वयं आया, इसलिए यह एक अनंत छुटकारा होना ही था। परमेश्वर स्वयं पाप समान शरीर में आया, ताकि एक—एक—एक—एक अनंत छुटकारा कराए; और शरीर में कष्ट उठाकर, और छुटकारा उपलब्ध कराया; और पवित्र आत्मा के रूप में वापस आकर, उस छुटकारे को प्रमाणित किया। जिसको कि पीतल का सांप और हिलने वाला पानी नहीं कर सकते थे, यह सब सिद्ध छुटकारे की ओर संकेत करते थे। परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, उसने यह किया है।

106 और, आज, जब हम इन दिनो में रह रहे हैं, हम इन कलीसियायी युगों से आ रहे हैं और इसके द्वारा सारी बातों की व्याख्या दी जा चुकी है। हमारे आज के धर्मज्ञानीयो ने उस भाग को खो दिया हैं। उन्होंने इन बातों को किन्ही और दिनो और दूसरे युगो, कुछ और चीजो, पिछले समयों का बता कर व्याख्या की है। और दिव्य चंगाई को तो हटा ही दिया और शायद ही कोई मिले जो इसका विश्वास करता हो। वह इसका उपहास बनाते है। बीस वर्ष से अधिक नही हुए है, जब वे इसका मजाक उड़ा रहे थे। और पेंटीकोस्टल प्रगट रूप में इससे अलग हो गए। उन्होंने आरंभ के दिनों में आरंभ किया, परन्तु वे इससे अलग हो गए।

107 देखिए उन्होंने कैसे किया। वे संगठनो में मतवाले हो गए, अपने मत बनाने के लिए भागते फिर रहे हैं, और वगैरा–वगैरा। बजाए, इसके कि ज्योति को ग्रहण करे, जब कि ज्योति आयी है वे संस्था में ढल गए और अपने–अपने मत बना कर, हर एक ने अपना–अपना सिद्धांत बना लिया है, और उस सिद्धांत में रुका हुआ है। और तब उन्होंने इतना कुछ बना कर अपना लिया कि पवित्र आत्मा कलीसिया में नहीं आ सकेगा। और वे एक और मूरत पीतल के सांप के समान हो गए, वे एक—एक मूर्तिपूजक हो गए। हर अनुयायी कहता है, "मैं *इससे* संबंधित हूं, और मैं *उसका* सदस्य

हूं।" यह मूर्तिपूजा थी। अन्त के समय, हम कितनी गड़बड़ी में थे।

108 परन्तु परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, उसने पवित्र आत्मा फिर से हमारे ऊपर भेजा है, और प्रतिज्ञा अनुसार आज रात अपने वचन को प्रमाणित कर रहा है वह करेगा। परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है कि वह इन चीजों को करेगा। देखिए उसने क्या किया!

109 देखिए उसने क्या किया, अब हम देख सकते हैं उसने किस प्रकार से जो हर युग के लिए विशेष प्रतिज्ञा की, जो पूरी हुई। और हम यह पाते हैं कि बिल्कुल वैसा ही हुआ, जो उसने कहा था, कि वह करेगा, क्योंकि वह अनुग्रह में धनी है, और वह अनुग्रह करता है कि जो प्रतिज्ञा उसने की है अपने हर वचन को पूरा करता है। उसे परमेश्वर बने रहने के लिए हमेशा करना ही है। वह हमेशा यह करता है, उसका वचन सदा अपने समय में घटित होता है। उसका बीज जो उसने पृथ्वी में बोया है। वह क्या करता है? वह यहाँ उसे वचन में रखता है, और वही बीज है। और हर बार जब वह युग आता है, तो वह बीज पक जाता है, और तब सुधारक आगे आता है। और उसने यह प्रतिज्ञा की है, और वह वही करता है।

110 हम इन बातों के योग्य नहीं है। हम परमेश्वर की इन आशीषो के योग्य नहीं है, क्योंकि हम संसारिक वस्तुओं के पीछे चले गए, हमने कैन वाली गलती की। कैन ने सुन्दर वेदी बनाई और सुन्दर गिर्जा बनाया, और उसमें फूल रखे, और सोचा कि यही था, "वह सेब का गुच्छा या नाशपाती का, अनार का या जो कुछ भी ये था," उसके पिता और माता ने अदन की वाटिका में खाया, जिससे उन्हें बाहर निकलना पड़ा। और इस प्रकार उसने परमेश्वर को वापस समर्पित किया, और परमेश्वर ने इसे नकार दिया।

111 "परन्तु विश्वास से हाबिल ने कैन से उत्तम बलिदान परमेश्वर के लिए चढ़ाया।"

112 और आज बाईबल यहूदा की पत्री में कहती है, कि, "वे कैन की सी चाल चले; और कोरह की नाई विरोध करके नाश हुए।" देखिए, "कैन की सी चाल चले," वेदियों बनाई, गिर्जे बनाये, संगठन बनाये, फूलो से सजाया, बड़े, बहुत सारे सदस्य बनाए और बाकी के मुकाबले; बहुत सी चीजे ले आए, जो कुछ भी साथ आयी और उछल–कूद करना, या हाथ मिलाना, या किसी विशेष विधी को बपतिस्मे लेकर आये थे, या अन्य भाषाए बोली, या फर्श पर दौड़े, अपने नाम रजिस्ट्रो में लिखवाए। यह ठीक

बात है। और उस मूल सत्य से फिर गए जिसे प्रचार करना था, और उसका इन्कार किया। यह ऐसे कैसे हो सकता है? ध्यान दे हम कैसी गड़बड में है! ध्यान दें।

113 और बाईबल कहती है, "वे बालाम की सी चाल चले, और कोरह की नाई विरोध करके नाश हो गए।" विरोध करके नाश हुए! कोरह ने क्या विरोध किया था? "क्यों, तू क्या सोचता है क्या केवल तू ही पवित्र जन है? क्यों, हम सब परमेश्वर के... पवित्र जन है। पूरी कलीसिया सब कुछ है। हमें... हम सबको एक साथ मिल कर रहना चाहिए, हमें यही करना चाहिए।" और यहीं इसी में वे नाश हो गए। हम सच में इसी योग्य है। हमें भी ऐसा ही होना था।

114 परन्तु परमेश्वर, अनुग्रह में धनी है, उसने हमें इस दुव्यवस्था में खींच लिया और आईये हम इसे निशाने से पहले देखें। वह अनुग्रह में धनी है, और उसने हमारे पास वापस दिव्य चंगाई की बेदारी भेजी है, और परमेश्वर की सामर्थ फिर वापस आ रही है। इतिहास के अनुसार, कोई भी बेदारी तीन वर्षों से अधिक नहीं चली। यह बेदारी पिछले पन्द्रह वर्षों से चली आ रही है, यह विश्व में जलती हुई आग की तरह फैल रही है। क्यों, क्या हम इसके योग्य है? परमेश्वर, अपने अनुग्रह में धनी है, इसलिए नहीं कि हमने इसकी इच्छा की है या क्योंकि हम इसके योग्य है। थोड़ा सोचिए कि यह क्या हुआ है!

115 मैं आपकी एक बहन जो कि यहां फीनिक्स में है, उसके विषय में सोचता हूं आप में से बहुत से जानते हैं, श्रीमती हैटी वालड्रॉप, उनके हृदय में कैंसर था। और वह यहां प्रार्थना पंक्ति में थी जब भाई मूर और मैं यहां पन्द्रह वर्ष पहले पहली बार आये थे, लगभग पंद्रह, अठारह वर्ष पहले। और वह हृदय के कैंसर से मर रही थी, और बहन को बहुत पहले ही मर जाना था। परन्तु परमेश्वर, अपनी दया में धनी, उसमें अपनी सामर्थ उन पर भेजी। और उसके जीवन को बचा लिया, और वह आज जीवित है। परमेश्वर अनुग्रह में धनी है!

116 अपशो कांग्रेसी, एक महान व्यक्ति। मैं सोचता हूं दक्षिणी बैपटिस्ट बेदारी या कन्वेंशन के—के वे अध्यक्ष या उपाध्यक्ष रहे है, या ऐसे ही कुछ, एक समय में, उसने सब कुछ किया था या उपाध्यक्ष या कुछ और। उसने सब किया था। वह अच्छा व्यक्ति था। वह जो भी जानता था वह सब कुछ उसने

कर लिया था। और वह हर डॉक्टर के पास गया था। उसके लिए कोई कुछ ना कर सका। वह नीचे को झुक गया। सेवको ने उसके लिए प्रार्थना की थी। उसके ऊपर सिर पर एक गैलन तेल डाल दिया गया था, अभिषेक के लिए भिन्न–भिन्न सेवकों द्वारा भिन्न–भिन्न जगहों पर।

117 एक रात, लॉस एंजिल्स, केलिफोर्निया में, वह पुलपीट पर आया, उसने पहिए की कुर्सियों का ढेर देखा जो वहां बैठे हुए लोगो की गिनती से लगभग दूगना, तिगना था, वहां गिर्जे की गलियारे में ऊपर और नीचे पड़ी थी। और फिर वहां एक चारपाई पर छोटी काली नीग्रो लड़की पड़ी हुई थी, और उसकी—उसकी मां उसके बराबर में बैठी थी। और मेरा भाई प्रार्थना पंक्ति को ऊपर की ओर ला रहा था।

118 और मैं देख रहा था, और नही जानता था कि क्या हो रहा है। और मैंने एक डॉक्टर को, मुंह पर मोटा शीशा लगाए, एक छोटी नीग्रो लड़की का ऑपरेशन करते देखा उसके गले का ऑपरेशन था, और उसे लकवा मार गया। और मैंने चारों ओर देखा, मैंने सोचा कि, "यह बच्चा कहाँ है?" मैं उसे नहीं देख पा रहा था।

119 थोड़ी देर के बाद, उस प्यारी छोटी लड़की के लिए कोई आशा नहीं थी, जो कि लगभग सात या आठ साल की थी, और उसे सारा जीवन इसी लकवे वाले स्थिती में रहना था। और वहां उसकी मां अपने घुटनों पर झुकी हुई, प्रार्थना कर रही थी। तब मैंने कहा कि, "इस डॉक्टर ने आपकी छोटी लड़की का ऑपरेशन किया है," और बाकी विवरण दिया।

वह बोली, "श्रीमान, यह ठीक बात है।"

120 तब वह बच्चे को मंच पर लाने का प्रयत्न करने लगी। उन्होंने उसे ऐसा करने से मना किया। उन्होंने उसे शांत करने का यत्न किया। जिस समय उन्होंने उसे शांत किया, मैंने सोचा कि, "तो ठीक है, हम उसके लिए प्रार्थना करने का मौका निकाल पायेंगे।" थोड़ी देर में... हो सकता कुछ लोग जो यहां है उस रात वहां पर थे।

121 और मैं श्रोताओं की ओर देख रहा था, मैंने देखा कि वह छोटी लड़की, उस एक—एक छोटे से रास्ते पर अपनी गुड़िया को लेकर हाथों में झुलाती हुई जा रही है। इससे कोई मतलब नहीं कि डॉक्टर ने क्या–क्या कहा है कि वह अपने शेष जीवन भर लकवे में पड़ी रहेगी; परमेश्वर, अनुग्रह में धनी, उसने दर्शन के द्वारा अपनी पवित्र आत्मा को भेज दिया, और वह

छोटी लड़की वहां उठ खड़ी हुई, और वह और उसकी माँ हाथ पकड़े हुए गिर्जे के गलियारे से, परमेश्वर की महिमा करते हुए चले गए।

122 वहां पीछे एक बूढ़ा कांग्रेसी उपशॉ बैठा हुआ था, आप में से बहुत से उसकी गवाही जानते हैं। वह एक अच्छा मनुष्य था, जीवन में सारी कोशिशे कर ली थी, छियासठ वर्षो से अपंग पहिए की कुर्सी में था, पलंग से लग गया था; बगल में बैसाखी थी, जिनसे वह चलता था, और कभी भी साधारण मनुष्य की तरह नहीं चला था। और वहां वह बैठा हुआ, यह सब देख रहा था। और यकायक, मुझे एक दर्शन दिखाई दिया। उसमे वह पीछे सभा में पैदल चलता हुआ, नीचे आ रहा था, अपना सिर झुकाए, बिल्कुल अच्छी तरह जैसे कोई आम व्यक्ति चलता है। मैं नहीं जान पाया कि वह कौन व्यक्ति था।

123 मैंने कहा, "वहां कोई महान व्यक्ति पीछे बैठा है। वह जब छोटा लड़का था गाड़ी में से चारा रखने के ढांचे पर गिर पड़ा था, और उसकी कमर में चोट आयी थी। उन्होंने फर्श में छेद कर दिए थे, ताकी जब लोग चले तो उनकी पैरो की धमक उसकी कमर में ना महसूस हो।" मैंने कहा, "वह एक महान व्यक्ति बन गया, और वह और महान होता गया। और वह व्हाइट हाउस के महान लोगो में बैठा है।"

124 और एक आदमी ने आकर और मुझे बताया, कि, "वह कांग्रेस उपशॉ है। आपने क्या उसके विषय में सुना है? "

मैंने कहा, "उसके विषय में कभी नहीं सुना।"

125 और उस व्यक्ति ने भाग कर माईक को पीछे की ओर ले गया और वे वहां पीछे बात कर रहे थे।

126 तब मैंने चारों ओर देखना आरंभ किया, और मैंने देखा दर्शन में एक बुढा कांग्रेस का आदमी, मेरी ओर चलता हुआ आ रहा है, बिल्कुल सिद्ध साधरण चाल में, जैसा वह चल सकता था। परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, उसने उसे पहिए जु कुर्सी में से खींच लिया, और वह बिना बैसाखी के अपनी मृत्यु के दिन तक चलता रहा। परमेश्वर अनुग्रह में धनी है! जब डॉक्टर असफल रहे, जब विज्ञान असफल हो गया, जब सब चीजें असफल हो गयी थी, परमेश्वर उस कांग्रेसी मनुष्य उपशॉ के लिए अनुग्रह में धनी था।

127 मैं अपने लिए ऐसे ही सोचता हूं। जैसे साधारण समझदार लड़का होता है, मुझे याद है जैसे की... लोग आज मुझे "स्त्रियों से घृणा करने वाला" कहते है। इसका कारण यह था, क्योंकि जब मैं छोटा था, मैंने स्त्रियों में बहुत ही अनैतिकता देखी। मुझे उनसे घृणा हो गयी। और अब मैं वैसा नहीं करता, क्योंकि मैं जानता हूं उनमें बहुत सी अच्छी स्त्रियां भी हैं। परन्तु मुझे याद है कि वे कितनी बुरी और अनैतिक थी। और मैंने सोचा, "जहां लोग होगे मैं—मैं वहां नही जाऊंगा। मैं पढ़ा–लिखा नहीं हूं, और इसलिए नही मैं पढ़ूंगा।"

128 और वहां एक छोटा लड़का बिना कमीज पहने बैठा हुआ है, मेरे कोट में एक पिन लगी हुई है *इस* प्रकार से, सेफ्टी पिन लगी है, और काफी गर्मी थी। और अध्यापिका ने कहा, "विलियम, क्या तुम्हे इस कोट में गर्मी नहीं लग रही है? "

129 मैंने कहा, "नहीं, महोदया, मुझे थोड़ी ठंड लग रही है।" और उन्होंने मुझे चूल्हे के पास भेज कर उसमें कुछ और लकड़ियां डाल दी, और मुझे ऐसा लगा कि मैं गर्मी से जल जाऊंगा। और उस पूरे जाड़े भर मेरे—मेरे पास कमीज नहीं थी।

130 और मैंने सोचा, "यदि कभी मुझे इतने पैसे मिल जाए, किसी समय मेरे थोडा सा हो सकता था कि मैं तीस–तीस की बंदूक खरीद सकू," तो मैं पश्चिम की ओर निकल जाऊंगा और वही शिकार खेल कर अपना बाकी जीवन व्यतीत करूंगा। मैं लोगों से कुछ मतलब नहीं रखना चाहता था। बस अकेला रहना चाहता था, क्योंकि वे मुझे पसंद नहीं करते थे, और—और मैं उनसे अलग रहना चाहता था।

131 और फिर हर बार जब मैं शहर जाता और किसी को सड़क पर जाते देख कर, जिसे मैं जानता था, तो मैं कहता, "हैलो, जॉन, जिम! तुम कैसे हो? "

"ओह, हैलो।"

132 देखिए, वे मुझसे बात नहीं करना चाहा करते थे, कोई मतलब नहीं रखना चाहते थे, मेरे से पापा के कारण और उनकी शराब के कारण ऐसा था। और मैंने—मैंने ऐसा नहीं किया। मैंने ऐसा कुछ नहीं किया था। कि मैं इस प्रकार का होता।

133 परन्तु अभी कुछ समय पहले मैंने अपनी पत्नी से कहा था, कि, "मेरी दीवारे बढिया बंदूकों से जो मैं खरीद सकता हूं ढकी पड़ी है।" ओह, और मैं उन पुराने गंदे कपड़ों के लिए सोचता हूं। आज रात मेरे पास दो या तीन अच्छे सूट है। और अब मित्रों? मुझे जंगल में छिपने की आवश्यकता नही है, कि मैं लोगों से अलग रहूं। क्या बात है, यह क्या मेरे व्यक्तित्व के कारण है, क्या यह मेरी शिक्षा के कारण है? जी नहीं। परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, उसने मुझे ऐसी दशा में देखा और उसने मुझे बचा लिया।

134 मैं याद करता हूं कि मैं अंधे व्यक्ति की तरह हाथ पकड़ कर चलाया जाता था। मैं देख नहीं सकता था। मेरे सामने हर वस्तु धुंधली थी; और मैं अपने बाकी के जीवन में अंधा ही होता। परन्तु परमेश्वर, अनुग्रह में धनी है, उसने मेरी दृष्टि वापस लौटा दी। मैं पचपन वर्ष का बुढा हूं, और अब तक मेरी दृष्टि अच्छी है। मैं अब केवल यही बात कह सकता हूं, परमेश्वर अनुग्रह में धनी है।

135 एक समय ऐसा था कि कलीसिया में चंगाई का कोई साधन नहीं था। वे एक थे, परन्तु उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। परन्तु परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, उसने उनके लिए दिव्य चंगाई का दान भेजा। वह पवित्र आत्मा है, जो हमारे मध्य में चिन्हों द्वारा वचन को प्रमणित कर रहा है। परमेश्वर अनुग्रह में धनी है!

136 मेरे पास इन टिप्पणियों के लिए दो या तीन पन्ने है, परन्तु मैं उनको लेने का यत्न नही करूंगा, क्योंकि मुझे—मुझे ध्यान है कि बिमारो की प्रार्थना का समय लगभग हो गया है। परन्तु परमेश्वर अनुग्रह में धनी है!

137 आज रात यहां बहुत से है, जिनके लिए डॉक्टर ने मना कर दिया है। बहुत से लोग पहिए वाली कुर्सियों में बैठे हैं, वे शायद वहां से कभी भी नहीं निकल पाएंगे। उन्हें उसी में रहना हैं। उनमें से कुछ, विभिन्न प्रकार से लकवाग्रस्त है, वह (कभी नहीं) वहां से नहीं उठ सकते, उनके लिए कोई तरीका नहीं है कि वे वहां से उठ सके। परन्तु परमेश्वर, अपने अनुग्रह में धनी है, उसने छुटकारा दिया है। इसे अस्वीकार ना कीजिए। इसे स्वीकार करें। यहां एक व्यक्ति हैं जिसे ह्रदय रोग है, यहां लोग है जिन्हें कैंसर हैं, जिनके लिए डॉक्टर कुछ नहीं कर सकते हैं। आप आशारहित, और बिना सहायता के संसार में हैं।

138 परन्तु परमेश्वर, अपने अनुग्रह में धनी है, उसने हमारे यहां बीच में

अपने पवित्र आत्मा को भेजा है, जो कि अपने वचन को सिद्ध करके यह सिद्ध करता है कि वह कल, आज, और सर्वदा एक सा है। क्योंकि हम इसके योग्य हैं? क्योंकि परमेश्वर अपने अनुग्रह में धनी है! आमीन। अब वही एक है, वही एक व्यक्ति है, वह प्रभु यीशु है। वह मृत नहीं है, परन्तु वह मरे हुओं में से जी उठा है, और हमेशा के लिए जीवित है।

139 वह कल, आज, और सदा तक एक सा है, वह आज भी अनुग्रह में वैसा ही धनी है जैसा वह लहू बहने वाली स्त्री के लिए था। और वह भीड़ में घुस गयी। उसके लिए कोई आशा नहीं थी, डॉक्टरों ने जो वे कर सकते थे, कर चुके थे। उसका लहू बहता था। वह मर रही थी। और उसने गुरु का कपड़ा छू लिया। परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, घूमा और उसकी दशा को बता दिया। कि वह अपने इस लहू बहने की बीमारी से चंगी हो गई है।

140 एक दिन एक वैश्या कुंए पर गई कि थोड़ा पानी ले आए। उसके लिए कोई आशा नहीं थी। वह समाज से उन लड़कियों को बीच से निकाल दी गयी थी, जो वहां रहा करती थी, उसका जीवन अच्छा नहीं था। और उसने सोचा कि, "अब कोशिश करने का क्या लाभ होगा? मुझे तो निकाल दिया गया है, अब मेरे लिए क्या बचा है।" परन्तु उसने वहां कुयें के पास ही किसी को खड़े हुए या बैठे हुए देखा, और वहां एक व्यक्ति बैठा था उसने उसको जो कुछ उसने किया था सब बता दिया, परमेश्वर अपने अनुग्रह में धनी है।

141 वही परमेश्वर, आज रात भी, वैसे ही अनुग्रह में धनी है, और जैसा कि वह उन दिनों में था। परमेश्वर धनी है। [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

142 मैं सोचता हूं हमने दो सौ प्रार्थना पत्र बांटे है, या हमने दो सौ लोग बुलाये है। हम उन्हें बुलाने जा रहे हैं और लोग कृपया पंक्ति में आये। हम उनके लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं।

143 परन्तु इससे पहले हम शुरू करें, यहां पर कुछ नए लोग भी है, हर अंधविश्वास से बचने के लिए। यह कोई अंधविश्वास नहीं है। यह परमेश्वर की प्रतिज्ञा का प्रगटीकरण है। यह इस पर निर्भर करता है कि आप कैसे देख रहे हैं। किसी मनुष्य में यह गुण नहीं है। किसी मनुष्य में कोई सामर्थ नही है। परन्तु विश्वासी होने के नाते हमे अधिकार है; शक्ति नहीं, परंतु अधिकार है।

144 अधिक समय नहीं हुआ किसी ने मुझसे पूछा कि, "भाई ब्रन्हम, आप विश्वास करते हैं कि आपमें यह करने की सामर्थ है? "

145 मैंने कहा, "मेरे पास कोई भी सामर्थ नहीं है, परन्तु मेरे पास अधिकार है।" और हर विश्वासी के पास है। यदि आप अस्वीकार करेंगे, तो आप जहां है वहीं रहेंगे। परन्तु यदि आप स्वीकार करेंगे, तो आपके लिए बहुतायत में होगा, क्योंकि परमेश्वर अनुग्रह में धनी है।

146 एक पुलिसवाले को ही लीजिए, जो अपने दुबले–पतले से शरीर पर ढीले ढाले से कपड़े पहने सड़क पर खड़ा है। टोपी से उसके कान नीचे की ओर झुके हुए है। और वह वहां सड़क पर आता है, जहां मोटर कार पचास मील प्रति घंटे के रफ्तार से आ रही है, उसमें तीन सौ हार्स पावर का इंजन लगा है। उसके अन्दर तो इतना भी दम नही कि साईकल को रोक सके। यह ठीक बात है। परन्तु उसे उस सीटी बजाने दीजिए और अपने हाथ ऊपर इशारे के लिए करने दीजिए, और देखिए ब्रेक की कैसे आवाज आती है। उसमें कोई ताकत नहीं है, परन्तु उसके पास अधिकार है। सारा नगर उसके पीछे है।

147 और जब कोई पुरुष या स्त्री, मैं चिन्ता नहीं करता वह किस दशा में हैं, उसकी प्रतिज्ञा के द्वारा आपके पास परमेश्वर का अधिकार है, क्योंकि वह धनी है, उसने बहुतायत में देने की प्रतिज्ञा दी है। "यदि तुम इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' और अपने ह्रदय में संदेह ना करो, परन्तु अपने ह्रदय में विश्वास करो कि यह यहां से हट जाये और जो कुछ तुमने कहा है वह हो जाएगा, तुम जो कहोगे हो जायेगा।" आपमें सामर्थ नहीं है, परन्तु आपके पास अधिकार है।

148 याद करे जब उसने मुझ से कहा कि, "तुम लोगो के ह्रदय के विचार प्रगट करने योग्य हो जाओगे।" क्योंकि वह... आपमें से फीनिक्स के बहुत से लोगो को याद है ना? उसने यह प्रतिज्ञा की थी। वह जो भी प्रतिज्ञा करता है, वह करता है।

149 कोई सन्देह नही कि यहां आप में से बहुत से है जिनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है। आप में से कितने बीमार है और उनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, जरा अपने हाथ उठाये? ठीक है। ठीक है। यदि आप जानना चाहते हैं, अधिकार नही... ना ही सामर्थ, परन्तु वचन का अधिकार, "जो काम मैं करता हूं, तुम भी करोगे।"

150 यीशु ने लूका 17:30 में अपने आने से पहले प्रतिज्ञा की है, कि तब नूह का सा समय होगा, मूसा... या नूह का, "तब वे खाते और पीते, और विवाह में लेन देन करते होगे; और उस दिन तक ना जान पाये जब तक नूह जहाज में घुसा।" उसने कहा फिर वही समय होगा। तब उसने यह भी कहा, "जैसा कि लूत के दिनों में था," और उसने कहा, "यही मनुष्य के पुत्र के प्रगट होने के दिनों में होगा, जब मनुष्य का पुत्र अन्तिम दिनों में प्रगट होगा।"

151 अब देखिए, किस प्रकार से मनुष्य का पुत्र अपने आप को इस स्वर्ग दूत के व्यक्ति में प्रगट करता है, जो कि मनुष्य का पुत्र था। बिल्कुल। पूर्ण रूप से अब्राहम ने उसे "एलोहिम" कहा। वह मनुष्य का पुत्र था, उसने अन्यजाति के संसार को जलाने से पहले अपने आप को प्रगट किया था। विश्वासी के लिए। उसने यह कैसे किया? दिखावटी विश्वासी के लिए, उसने प्रचार के लिए दो प्रचारक भेजे। परंतु सच्चे विश्वासी के लिए, वह तंबू की ओर पीठ करके खड़ा हो गया, और उसने कहा, "अब्राहम।" वह कुछ ही दिनो... पहले अब्राम था। परंतु अब वह अब्राहम है। "तेरी पत्नी साराह कहां है?"

152 कहा, "वह आपके पीछे तंबू में है।"

153 उसने कहा, "मैं अपनी प्रतिज्ञा तेरे लिए पूरी करने जा रहा हूं। मैं तुझे भेंट करने वाला हूं।"

154 ओह, अब्राहम सौ वर्ष का था, और सारा नब्बे वर्ष की थी; परन्तु परमेश्वर, अनुग्रह में धनी है, उसने अपनी प्रतिज्ञा पूरी की। उससे बालक उत्पन्न हुआ, क्योंकि परमेश्वर दयालु है, और वह दया से परिपूर्ण है। वह दया में धनी है। वह अपना वचन पूरा करता है।

155 ध्यान दें, जब उसकी पीठ तंबू की ओर थी, तो साराह हंसी और कहा कि, "यह बातें कैसे हो सकती है? मैं बूढी हूं। मुझे अपने पति से यह सुख कैसे मिल सकता है, जैसा कि नौजवान विवाहित स्त्री को मिलता है? क्यों, वह तो सौ वर्ष का बूढा है। हमारे वैवाहिक शारिरिक संबंध तो वर्षों पहले ही समाप्त हो गये है। यह कैसे हो सकता है?" और वह इस विषय में हंसी।

156 और वो दूत... वह मनुष्य का पुत्र जिसकी पीठ तंबू की—की ओर थी, उसने कहा, "सारा तू यह कह कर क्यों हंसी कि, 'यह बात कैसे हो सकती है?'"

157 यह क्या था? यीशु ने कहा, संत लूका 17:30 में, कहा, "जैसा की लूत के दिनों में हुआ था," बिल्कुल वैसे ही स्थिति, अन्यजाति के संसार के जलने से पहले होगी, उसने कहा, "मनुष्य का पुत्र अपने आप को उन दिनो में प्रगट करेगा।" उसने वही प्रतिज्ञा की, जो मलाकी 4 ने प्रतिज्ञा में कहा। एक संदेश आएगा जो लोगों को फिर से मूल पेंटीकोस्टल के संदेश में वापस फेर लाएगा, और उन्हीं आशीषों के साथ जो उन दिनों में थी... यह क्या है? यह दो पंखों वाला उकाब है, दोनों नया और पुराना नियम, जो अपने प्रतिज्ञारूपी पंखो को एक साथ फड़फड़ा रहा है जो कि परमेश्वर ने अपनी प्रतिज्ञाओं को जो उसने पवित्र शास्त्र में दी है कि वह इनको करेगा। आमीन।

158 परमेश्वर, जो अनुग्रह में धनी है, वह अपने लोगों को इन संप्रदायों में नहीं जाने देगा, "जो कि संसारिक वस्तुओं में धनी है," लौदिकिया कलीसियायी काल, परन्तु वह बच निकलने का रास्ता बना देगा। लोगों, इस बात का विश्वास करो। परमेश्वर तुम्हे आशीष दे। आमीन। परमेश्वर अनुग्रह में धनी है! परमेश्वर का अनुग्रह ही एक चीज है, जिसकी मैं इच्छा करता हूं। ना ही उसकी धार्मिकता, ना ही उसकी व्यवस्था; केवल उसका अनुग्रह है जो मैं मागता हूं। परमेश्वर मुझ पर अनुग्रह हो। हम सब की यही कामना है।

159 वहां एक स्त्री जो कुर्सियों के आखिर में बैठी है। मैं उसे देख रहा था। महिला, क्या आपके पास प्रार्थना पत्र है? आपके पास नहीं है। मैं आपको दिखाना चाहता हूं कि परमेश्वर अनुग्रह में धनी है। अभी थोड़ी देर तक पहले आप काफी परेशान थी, क्या नहीं थी? सच में बहुत ही बुरी तरह परेशान थी, और आपकी आंखें बहुत खराब हो गई है। यह ठीक बात है न? यह ठीक बात है। अब यह परिवर्तित होने जा रही हैं। परमेश्वर, अनुग्रह में धनी है, मैं आपसे पूछना चाह रहा हूं यदि आप इसका विश्वास करती है। अब आपके पास कोई प्रार्थना पत्र नहीं है, आपके पास कुछ भी नहीं है; लेकिन आपको इसकी आवश्यकता नहीं है। देखिए, यह परमेश्वर का अनुग्रह है जो आपको मिला है।

160 यहां सामने एक छोटा नन्ना–मुन्ना बालक बैठा है, एक प्रकार से... यहां बैठा है। उसके शरीर पर कुछ मांस बढ़ गया जिससे वह पीड़ित है। यह अभी कुछ समय ही पहले हुआ है। श्रीमान, क्या यह बात ठीक नहीं है?

यह ठीक बात है। कि आप नहीं जानते कि यह क्या है। आप इससे घबराये हुए हैं। यह ठीक बात है। यह चोट लगने के कारण से हुआ है, क्या ऐसा नहीं था? क्या आपके पास प्रार्थना पत्र है? आपके पास कोई प्रार्थना पत्र नहीं है। आपको इसकी आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर अनुग्रह में धनी है!

161 ओह, भाई, बहनों, परमेश्वर पर विश्वास कीजिए! उस पर संदेह ना कीजिए। उस पर विश्वास कीजिए! यह ठीक है।

162 यहाँ एक व्यक्ति सलेटी सूट पर चश्मा लगाए बैठा है। श्रीमान, इधर देखिए। आप विश्वास करते हैं? परमेश्वर अनुग्रह में धनी है। आप जो बैठे है आपको हर्निया हैं। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपका हर्निया चंगा कर सकता है और आप ठीक हो जायेंगे? कुर्सियों के अंत की ओर बैठे हुए, मुझे देख रहे है। यदि आप विश्वास करे कि परमेश्वर आपका हर्निया चंगा कर सकता है, यदि आप ग्रहण करे, तो परमेश्वर आपके लिए कर देगा। क्या आप विश्वास करते हैं? क्या आप ग्रहण करेंगे इसे? ठीक है। आप इसे ले सकते हैं यदि केवल आप विश्वास करें, अनुग्रह प्राप्त करें। जी हां, श्रीमान।

163 यहां एक महिला बैठी हुई है, वह अपने शरीर के खराब रक्त प्रवाह से पीड़ित है। परन्तु यदि वह विश्वास करेगी, तो परमेश्वर उन्हें चंगा कर देगा, यदि वह इसका विश्वास करेगी। मुझे लगता है, इसमें चूक जायेगी, यह बिल्कुल सत्य है। मेरी प्रार्थना है प्रभु दया करे। जैसा कि मैं स्पष्ट महिला को बेहोशी में देखता हूं... इन महिला का नाम श्रीमती रिले है, क्या आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर उस खराब खून के दौरे को चंगा कर सकता है? यदि आप इसे ग्रहण करेंगी! आमीन। केवल विश्वास कीजिए। परमेश्वर बहुत अच्छा है, वह अच्छा है ना, स्टेला? जी हां। यह ठीक है। मैंने इस महिला को अपने जीवन में कभी नहीं देखा। परन्तु, परमेश्वर, अपने अनुग्रह में!

164 यहां पर एक दूसरी महिला पीछे बैठी है, वहां पीछे की ओर और मुझे देख रही है। उसे भी खराब रक्त प्रवाह है। वह उस समय इस विषय पर सोच रही थी। मैंने इस महिला को अपने जीवन में कभी नहीं देखा है। क्योंकि उस महिला को भी यही समस्या थी, मेरी ओर देखिए। क्या मेरा आप विश्वास करती हैं, कि मैं परमेश्वर का भविष्यवक्ता या सेवक हूं? आपको हृदय रोग भी है। यदि यह ठीक है, तो अपना हाथ ऊपर उठाये। इस समय

यह आपको नहीं है। परमेश्वर, जो अपने अनुग्रह में धनी है, इसे पहले से दिखा रहा है कि वह जीवित यहां आज रात इस भवन में है। परमेश्वर अपने अनुग्रह में धनी है! आमीन।

165 यहां पर हो सकता है, जितने भी पापी और पिछड़े हुए है खड़े होकर, और कहे, "परमेश्वर, तू जो अपने अनुग्रह में धनी है, मुझ पर दया कर"? अपने पैरों पर खड़े हो जाये। मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा, यदि आप विश्वास करे कि वह चाहता है... कि आप पर अनुग्रह करे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे, आपको। जो पिछड़ गए है, अपने पैरों पर खड़े हो जाये। परमेश्वर अपने अनुग्रह में धनी है! क्या आप—आप...

166 यह बात ठीक है कि इस स्थिति में आप अभी तक इतने सुन्न नहीं हुए हैं, कि आप इस समय की परमेश्वर की प्रतिज्ञा को ना देख सके। यह सच है कि अभी आप अपने संगठन और दूसरी वस्तुओं में इतने नहीं बंध गए है, कि आप यह ना देख सके कि इस समय की प्रतिज्ञा क्या है, परमेश्वर अनुग्रह में धनी है।

167 आप चाहे जो भी थे, आप खड़े हुए, मैं आप के लिए एक मिनट बाद प्रार्थना करने जा रहा हूं। मैं आप के लिए एक रास्ता बनाना चाहता हूं कि एक पूर्ण सुसमाचार की कलीसिया और—और हो—और एक मसीही बपतिस्मे से बपतिस्मा ले, परमेश्वर आपको पवित्र आत्मा देगा।

168 क्या और कोई भी है जो अपने पैरों पर खड़े होकर और कहे, "मैं चाहता हूं कि मुझे अपनी प्रार्थना में याद रखे। परमेश्वर, अपने अनुग्रह में, मुझे याद रखे। हो सकता है जैसा मुझे जीवित रहना चाहिए मैं नही जीया... "? महिला, परमेश्वर आपको आशीष दे। और परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको आशीष दे। यह ठीक बात है। "परमेश्वर, तू जो अपने अनुग्रह में धनी है, मुझ पर अनुग्रह कर।" बहन परमेश्वर आपको आशीष दे। क्या वहां... ?

169 और कोई यहां पर है, जो कहे, "मैं खड़ा होऊंगा। मैं चाहता हूं कि परमेश्वर जाने कि मैं अनुग्रह चाहता हूं। मैंने अच्छा जीवन नहीं जीया। मैं कभी *ऐसे* कभी *वैसे* जीया। मैं कभी उठ गया और कभी नीचे चला गया, परन्तु मैं उसका अनुग्रह चाहता हूं।" भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। कोई और कह रहा है, "परमेश्वर अनुग्रह में धनी है!" बहन, परमेश्वर

आपको आशीष दे। बहन, परमेश्वर आपको आशीष दे। यह ठीक बात है। परमेश्वर अपने अनुग्रह में धनी है! परमेश्वर आपको भी आशीष दे। वहां पीछे परमेश्वर आपको आशीष दे। परमेश्वर आपको देखता है। जरा अपने पैरों पर खड़े हो जाये।

170 आप कहते है, "भाई ब्रन्हम, क्या इससे कुछ लाभ होगा? " बिल्कुल। खड़े होकर और देखिए कि कितना फर्क होता है।

171 यदि आप अपने हृदय में वास्तव में सच्चे हैं, तो परमेश्वर अनुग्रह में धनी है। "वह नहीं चाहता कि कोई नष्ट हो, परन्तु हर एक प्राश्चित करने के लिए आ सके।" परमेश्वर अपने अनुग्रह में धनी है! ओह परमेश्वर, हम पर अनुग्रह कर।

172 आप में से अब कितने ऐसे है, जिनके पास वह प्रार्थना पत्र है? वह क्या थे? ए और बी के, यही थे न? ए के और बी के। वे सब लोग जिनके पास प्रार्थना कार्ड ए है, वे *इस* ओर खड़े हो जाये, और प्रार्थना पत्र बी वाले उनके पीछे खडे हो जाये।

173 मुझे लगता है यदि कुछ सेवक जिनको मेरी सहायता करने की अपेक्षा करना चाह रहे है। यदि वे है, और यहां आना चाहे, तो मुझे आपकी—आपकी सहायता से प्रसन्नता होगी, क्योंकि हमें प्रार्थना करने में खुशी होंगी, आपके साथ प्रार्थना—प्रार्थना करेंगे।

174 बाईबल ने यह कहा, "विश्वास करने वालो के यह चिन्ह होंगे।" जी हां, श्रीमान। "मेरे नाम से वे दृष्ट आत्माओ को निकाल देंगे, और वे नई–नई भाषा बोलेंगे।" क्या यह हमने किया है? हमारी नही; परन्तु परमेश्वर की दया से, परमेश्वर के अनुग्रह से, उसने अपने वचन को पूरा किया है। परमेश्वर ने!

175 अब, इन पहिये वाली कुर्सियो को, यदि आप इन्हें ठीक यहां सामने लाना चाहे; तो हम इनके लिए यही प्रार्थना करेंगे, ऐसा नही कि इन्हें गलियारे में होते हुए खींचते फिरे। ठीक है, इन सब को यही सीधे आगे आने दे। हम अवश्य ही इन में से हर एक के लिए प्रार्थना करेंगे। परमेश्वर अपने अनुग्रह में धनी है!

176 क्या आप थोड़ी देर के लिए सीधे हाथ की ओर खड़े हो जायेगे? क्या भाई ब्राउन आपके साथ आए थे? [एक भाई कहता है, "कल आ रहे है।"—सम्पा।] कल आ रहे है। मुझे—मुझे—मुझे आशा थी कि वे आज

यही होंगे। भाई आऊटला कहां है, भाई फुलर कहां है? यहीं कुछ लोग थे जब मैं यहां पहली बार आया था, तो मेरे साथ थे, चलिए पीछे चले। आपको याद है वह पुराने तरह की प्रार्थनाओं की पंक्तियाँ, जब हम तब तक खड़े रहा करते थे, जब तक आप लोगो को मुझे दोनों ओर से पकड़ना पड़ जाता था, मैं बहुत ही कमजोर हो जाता था?

177 आप में से कितने लोग उन सभाओ में शुरू–शुरू में थे? इधर देखिए। आपको याद है, पहले जब मैंने आपको बताया था कि प्रभु यीशु ने कहा है, यदि मैं सच्चा रहूंगा, तो यह सब होगा। ठीक है ना? हम उन दिनो में ऐसे नहीं थे। परन्तु यह हुआ, क्योंकि परमेश्वर उसके अनुग्रह में धनी है, और अपनी प्रतिज्ञा में सच्चा है। आमीन! छोड़ने की कोशिश कर रहा हूं, और मैं नहीं कर सकता। आमीन! परमेश्वर की महिमा हो! हाल्लेलुय्या! "ओह, मैं बहुत प्रसन्न हूं कि मैं उन में से एक हूं!" आमीन। ओह, प्रभु!

यहां लगभग सभी जगह ऐसे लोग है,
जिनके ह्रदयो में अग्नी भडकी है
वही आग जो पेंटीकोस्ट के दिन उतर आयी थी,
जिसने उन्हें शुद्ध किया और वे शुद्ध हुए;
ओह, वह अब मेरे ह्रदय के भीतर जल रही है,
ओह, उसके नाम को महिमा पहुंचे!
मैं बहुत प्रसन्न हूं कि मैं कह सकता हूं कि मैं उनमें से
एक हूं।

178 ओह, मैं, एक अभागा, दरिद्र, निर्धन अभागा अन्धा, जैसा कि मैं था; और अब उसके अनुग्रह से, उसकी बहुतायत की दया से, मैं आंखो से परमेश्वर के राज्य को देख सकता हूं। आमीन। उसकी आज्ञाएं कितनी सुंदर है!

179 मेरे भाई, अपनी बैसाखी पर सीधे खड़े हो जाये। यदि आप नहीं उठ पा रहे है, तो ठीक है, वही खड़े रहिए, हम वही आपके पास प्रार्थना करने आ रहे है।

180 और अब ए और बी के प्रार्थना पत्र वाले, वहां दूसरी ओर पंक्ति बना ले, और हम उनके लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं।

181 सेवक भाइयों, आप भी बिल्कुल, यदि आप बीमारों पर हाथ रखने में विश्वास करते हैं, तो आप यहां आकर मंच पर मेरे साथ खड़े हो जाये। हम

बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं।

182 अब वह लोग जो पंक्ति में खड़े हैं, यदि आप यहां पर परमेश्वर की उपस्थिति का विश्वास कर करते हैं, कि पवित्र आत्मा हमारे बीच में होकर, वही कर रहा है जिसको करने का उसने कहा है कि वह करेगा। यदि मुझ में आपको चंगा करने की सामर्थ होती, तो मैं अवश्य चंगा करता। यदि मेरे पास आपको चंगा करने का कोई तरीका होता, तो मैं अवश्य करता। मेरे पास ऐसा कुछ नहीं है। मुझे... परमेश्वर ने एक छोटा सा दान दिया है।

183 मैं अधिक प्रचारक नहीं हूं। मेरे पास तो इतनी शिक्षा भी नहीं है कि एक प्रचारक की योग्यता पाऊं, जो कि आज कल प्रचारक कहलाते है, जब कि—जब कि अनुभव एक धार्मिक ज्ञान का अनुभव होना चाहिए, और कोई विशेष डॉक्टरी डिग्री होनी चाहिए, और कुछ इसी तरह का। मैं उसके योग्य नहीं हूं। परन्तु परमेश्वर, जो मेरे हृदय को जानता है कि मैं उसके लिए कुछ करना चाहता हूं, मैं उसकी सराहना करना चाहता हूं।

184 एक दिन एक व्यक्ति ने मुझ से कहा, कि, "श्रीमान ब्रन्हम, मैं सोचता हूं कि आप एक अच्छे आदमी है, परन्तु मैं विश्वास करता हूं कि आप ह्रदय से सच्चे पर गलती पर हैं। आप परमेश्वर की इच्छा से बिल्कुल बाहर हैं। क्या आप जानते हैं कि आपको अंत में दोषी ठहराया जाएगा? "

185 और मैंने कहा, "देखिए, मैं आपको कुछ बताना चाहता हूं। मैं यह कहना चाहता हूं कि आप—कि आप वाद-विवाद में आपको पूरा अधिकार है, आप जो कहना चाहे कहे। यदि मैं गलती पर हूं, जो कि मैं—मैं विश्वास करता हूं कि मैं नही हूं; परन्तु यदि मैं गलती पर था, और आज मुझे इस बात का मालूम हो जाये कि मैं सौ वर्षो के लिए जीने जा रहा हूं, और वह मुझे जीवन के अंत में दोषी ठहराने जा रहा था, और मुझे से कहे, 'विलियम ब्रन्हम, तुम मेरे स्वर्ग में आने योग्य नहीं हो। और तुम बाहर अंधकार में चले जाओ।' आप जानते हैं क्या? जैसा भी हो, मैं जीवन के अन्तिम दिन तक उसकी सेवा हर दिन करूंगा। क्योंकि मैंने उससे इतनी आशीषे पाई है, कि वह मेरे लिए जीवन से भी अधिक है। वह मेरे लिए सब कुछ है... "

186 आज जो कुछ भी मैं हूं, और आगे भी जो कुछ मैं हो पाऊंगा, यह सब कुछ उसके अनुग्रह और दया से आया है। मैं तो अभागा, तुच्छ, कंगाल और अंधा था; परन्तु अनुग्रह से उसने मुझे चंगा कर दिया, और अब मैं दृढ़ और स्वस्थ, परमेश्वर के अनुग्रह द्वारा हूं। मेरी दृष्टि अच्छी है। मेरे पास

खाने पीने और जो भी मुझे आवश्यकता होती है सब है। उसने कभी यह प्रतिज्ञा नही की, कि वह मेरी इच्छाये पूरी करेगा; परन्तु मेरी आवश्यकताये पूरी करेगा।

187 और यदि मैं उस दिन निकाल दिया जाऊं, और मुझे यह मालूम हो जाये... मैं नहीं देख सकता हूं कि मैं कहां होऊंगा। परन्तु यदि मैं जान जाऊं कि मैं गलत था, और परमेश्वर ने मुझे इसलिए चुना कि मैं गलत होऊं, तो मैं गलत ही रहना पसन्द करूंगा, और क्योंकि मैं तो उसकी इच्छा को पूरी करना चाहता हूं। यह तो, मैं उसे प्रेम करता रहूँगा मैं चाहता हूं कि जब तक उसकी इच्छा पूरी ना हो जाए। अब, यह तो बहुत ही बड़ी बात है, परन्तु मैं आशा करता हूं कि जो आत्मा मेरी इस बात में है, वह आप समझ सके। देखिए, मैं उसकी इच्छा पूरी करना चाहता हूं। बहुत सी बार मैं उससे कुछ चीजे मांगता हूं, वह अपना सिर हिला कर "नहीं," कर देता है तो मैं तब भी उतना ही खुश होता हूं जैसे यदि वह "हां" कह देता। क्योंकि, हमें हमेशा यही कहना चाहिए, "तेरी इच्छा पूरी हो जाये।" उसकी सारी नही ही... उसकी इच्छा है, तो मेरे लिए... यह उसकी हां से अच्छी है, यदि इसी में उसकी इच्छा पूरी होती है। यह तभी है जब आप उसे सच में ही प्रेम करते है। आमीन।

188 मैं तो उसके विषय में बात करने लगा, मैं अब रुक नहीं सकता। ओह, वह तो मेरे लिए वास्तविक है, वह मेरे लिए बिल्कुल सत्य है! मित्रों, वही—वही मेरे लिए सब कुछ है, आगे भी जो कुछ हो सकता है, वही है वही मेरी सारी आशा है, जो यीशु मसीह है, उसका वचन।

189 आज रात मैं पवित्र आत्मा की गवाही के लिए धन्यवादित हूं, इस संदेश के लिए। हो सकता है, कोई असहमत हो, परन्तु मैंने आपको सब कुछ बता दिया है, इस संदेश के लिए मैं अपने कर्तव्य में बंधा हूं। एक चिन्ह इसके आगे–आगे प्रगट हुआ है, और परमेश्वर चिन्ह इसलिए नही भेजता कि वह यह दिखाये कि देखो मैं परमेश्वर हूं। एक संदेश है, वचन हमेशा चिन्ह के पीछे–पीछे आता है। यह सब जानते है।

190 यीशु चिन्हों और आश्चर्यकर्मो के साथ आया। जब वह चिन्ह और आश्चर्यकर्म दिखा रहा था तो वह एक महान व्यक्ति था, परन्तु जब उसने बैठ कर संदेश देना आरंभ किया, "मैं और मेरा पिता एक है," ओह, प्रभु, तब तो यह उनके लिए सब गलत हो गया। देखा? परन्तु वचन शब्द चिन्ह

के पीछे आता है।

191 मूसा को दो चिन्ह दिए गए थे, और प्रत्येक चिन्ह की एक आवाज थी। यह ठीक बात है। मैंने अभी कुछ समय पहले यह कहीं प्रचार किया था, *चिन्ह की आवाज।* चिन्ह की एक—एक आवाज होनी ही है। यह बदल रही है। सदा से ऐसा हुआ है। यदि यह ऐसा नहीं हुआ, तो यह परमेश्वर की ओर से नहीं आया।

192 यदि कोई मनुष्य एक भिन्न और अजीब सी सेवा के साथ आया है, और वह बाईबल के अनुसार सत्य है, और वह व्यक्ति उसी पुराने संगठन में मतो से बंधा हुआ है, तो उसे भूल जाईये। उसमें कुछ नहीं है! परमेश्वर इस तरह कोई कार्य नहीं करता। वह केवल सड़ा हुआ मन्ना है, जिसको दीमक लग गई है, या उसमे कीड़े पड़ गए है, या जो भी आप कहना चाहे, चालीस, पचास वर्ष पुराना मन्ना, अब भी खाने की कोशिश कर रहे हैं जो कि बहुत पहले गिरा था। जब इस्राईली बालक अपनी यात्रा पर थे, तो हर रात नया मन्ना गिरता था। यह ठीक बात है, आप उसे रखे नहीं रह सकते।

193 हम किसी बीते हुए युग में नहीं रहते हैं। हम नया तजा मन्ना खा रहे हैं, ताजा मन्ना स्वर्ग से अपनी यात्रा में खा रहे है जैसे–जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं।

आइये अब अपने सिरों को झुकाये।

194 प्रभु परमेश्वर, आपकी उपस्थिति बहुत ही वास्तविक हैं। प्रभु मैं आपके अनुग्रह के लिए सोचता हूं। अभी हमने—हमने आपको बहुत से काम करते देखा है! हमने आपको भाषाओ में बोलते सुना है, देखिए आप उसका अर्थ अपने लोगों में से होकर बताते है। ओह परमेश्वर, बीमारों को चंगा होते हुए देखते हुए, और अंधों की आंखे खोलते है, लंगड़ों को चलाते है, बहरे सुनते है, गूंगे बात करते है, आप कितने महान और सामर्थी परमेश्वर हैं!

195 यह देखते हुए कि आपने अन्त के दिनों में इन बातो की प्रतिज्ञा की है, यधपि हमारे यहां बहुत से संसारिक नकले करने वाले है, जबकि वह केवल यह स्पष्ट करते है कि कहीं कोई वास्तविक परमेश्वर है, कहीं कोई सत्य है। और स्वर्गीय पिता, आज मैं प्रार्थना करता हूं कि हम परमेश्वर के प्रति इतने चेतन हो जायेंगे हम देखते हैं कि आप यहां हैं।

196 और यह लोग जो पंक्ति में है, जब वे इस पंक्ति में से होकर आते हैं, प्रभु... हम यह इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि हमने इनसे प्रतिज्ञा की है। और

आपने कहा है, "विश्वास करने वालो के यह चिन्ह होगे।"

197 यहां पर सेवक भाई लोग खड़े हैं, इस व्यक्ति को आपने चुना है, संसार की सृष्टी करने से पहले चुना है, ताकि जो आज वे है वही हो। इससे पहले कि संसार था आप जानते थे कि आज रात यह यहां पर खड़े होंगे, क्योंकि आप अनंत हैं।

198 इसलिए हे स्वर्गीय पिता आज रात हम प्रार्थना करते हैं, कि यह बीमार लोग, जो कि अपंग, अंधे, लंगडे, कैंसर ग्रस्त, चाहे जो भी हो जब इस पंक्ति से निकले, काश वे इस बात को अनुभव कर सके कि वही परमेश्वर जो ह्रदय के विचारो को जानता है, उन्हें चंगा करेगा, यदि वे केवल इसे ग्रहण करे, केवल देखकर और समझे।

199 वह व्यक्ति जो पीतल के सांप की ओर इस प्रकार देखता कि मानो जैसे यह... पीतल का टुकड़ा, याजक का है तो वह कभी भी चंगा ना होता, क्योंकि उसके पास यह समझ नहीं थी कि वह क्या है।

200 और प्रभु आज, भी ऐसा ही है। यदि वे दान की ओर देखते हैं, और यह सोचते है कि इससे उनकी सहायता हो सकती है, तो उनके पास इसकी समझ नहीं है। यह तो केवल परमेश्वर की उपस्थिति का प्रगटीकरण है जो कि यहाँ चंगा करने के लिए है। पिता, इसे ग्रहण करे। होने दे कि यह यीशु के नाम में हो। आमीन।

201 मैं चाहता हूं कोई जरा प्यानो पर आए, यदि वह कोई, पुरुष या स्त्री हो, या जो कोई भी हो, वह आकर इस गाने को बजाए, "वह महान वैद्य जो यहां पास में है, सहानुभूति प्रगट करता हुआ यीशु," यदि बहन बजाएगी, जहां कहीं भी प्यानो बजाने वाली है। अब वह है...

202 मुझे याद है मेरी आरम्भ की एक चंगाई सभा में, जो फोर्ट वेन, इंडियाना में हुई। एक सभ्य एमिश महिला प्यानो पर, "वह महान वैद्य अब यहां पास में है, सहानुभूति से भरा यीशु।" बैठी हुई बजा रही थी। एक अंपग छोटा बच्चा मेरे पास मंच पर लाया गया था। और जब मैं उस बच्चे के लिए प्रार्थना कर रहा था, तो वह मेरी बाँहों में से कूद कर मंच से नीचे उतर कर भागा। उसकी मां बेहोश हो गई। दादी मां ने अपना रुमाल फेंक कर, चिल्लाना आरम्भ कर दिया।

203 और यह सभ्य छोटी एमिश लड़की जो कि पेंटीकोस्टल के विषय में कुछ नहीं जानती थी, क्योंकि वह एमिश गिर्जे से थी; परन्तु वह प्यानो

बजा रही थी। उसके लंबे बाल थे; वह आत्मा में खड़ी होकर और अन्य भाषा में गाने लगी, और... और उस गीत में खड़ी होकर अन्य भाषा में गाने लगी। और उस गीत के साथ–साथ उस प्यानो के नोट या बटन ऊपर–नीचे होकर बज रहे थे, "वह महान वैद्य अब पास में है, वह सहानुभूति से भरा यीशु।" आमीन! वह कल, आज, और युगानुयुग एक सा है।

204 अब आइए हम प्रार्थना करें जैसे कि... आइए हम सब वह जो बाहर है प्रार्थना करे। आप लोग जो पंक्ति में आ रहे हैं, जब हम आपके ऊपर हाथ रखते है, तो याद रखें, यीशु ने कहा, "यदि तुम इसका विश्वास करोगे, तो तुम चंगे हो जाओगे।" आप विश्वास करते हैं? अब आईये हम सब गाये।

महान वैद्य अब यहां पास में है,
सहानुभूति प्रगट करने वाला यीशु;
वह कहता है...

जब गा रहे है तो आइये हम अपनी आंखें बंद कर ले।

... कि हृदय प्रसन्न हो,
ओह, यीशु की आवाज सुनो।

सराफीम के गीत का सबसे मधुर स्वर,
मरणहार जुबान पर सबसे मीठा नाम,
सबसे मीठा... (पिता परमेश्वर, लोगो को छू ले)...
गाये,
ओह यीशु, धन्य यीशु।

वह महान...

205 अब जब आप यहां चलते हैं, तो वह यहां है। मेरे शब्द सुनिए, या फिर आप स्वयं विश्वास करें, वह यहां है। प्रत्येक जो प्रार्थना में है और बाहर जो लोग है। [भाई ब्रन्हम बीमारों के लिए प्रार्थना करते हैं, भाई बॉर्डर गीत को गाना जारी रखते है *वो महान चिकित्सक*। टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूं, हे प्रभु, मैं विश्वास करता
हूं;
सारी चीजें संभव है, हे प्रभु, मैं विश्वास करता हूं।

206 वह सब जो विश्वास करते हैं, अपना हाथ *इस* तरह उठाये और, कहे, "मैं विश्वास करता हूं।" [सभा के लोग कहते है, "मैं विश्वास करता

हूं।"—सम्पा।]

207 यहां एक व्यक्ति बैठा हुआ है। यहां से बढ़ कर; बात करने का कारण यह था, कि वह कैंसर से मर रहा है। वह अपनी बैसाखी पर है। परमेश्वर को छोड़, और कोई दूसरा रास्ता नही है कि वह जीवित रह सके। उसके सारे पेट में कैंसर है, और वह मरने पर है, यदि यह परमेश्वर का अनुग्रह ना हो तो वो मर जायेगा। और मेरी इच्छा है यदि मैं कुछ... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]... हिम्मत के शब्द इस मनुष्य से कहूं।

208 आप जानते हैं कि डॉक्टर आपके लिए कुछ नहीं कर सकते हैं। आप उस स्थिति से आगे निकल चुके है, देखा। और आप... आपके पास केवल एक अवसर है, और वह मसीह में है, देखा। और, भाई, आप... मैं भी एक दिन मर जाऊंगा। आपको भी जाना होगा, यदि यीशु आने में देर करता है। तो मुझे आपसे वहां मिलना है, न्याय के कटघरे में खड़े होकर। और आज रात...

209 आप जानते हैं, जैसा कि टेलीविजन, टेलीविजन हर समय यहां तक कि हम अपनी उंगली भी हिलाये, सब को अंकित कर लेता है। हर एक शब्द जो हम कहते हैं, वह सब लिखा हुआ है। अब, देखिए, टेलीविजन ने यह सिद्ध कर दिया है। अब, टेलीविजन एक तस्वीर को बनाता नही है, यह तो टेलीविजन में से होकर तरंगो को प्रसारण करता हैं। देखिए, वह इसे नहीं बनाता है। जब आदम धरती पर था, वहां टेलीविजन था जब—जब मूसा लाल सागर से होता हुआ निकला तो वहां टेलीविजन था, जब एलिय्याह कार्मेल पर्वत पर था, तो वहां टेलीविजन था, देखो, परन्तु यह तो इन्होंने बस अभी खोजा है। समझे? और अब चारो तरफ मैं...

210 हर काम हर बात जो हम करते हैं, उसको वह अंकित करता है और न्याय पर हमारी भेंट उससे होगी। हर काम जो हम करते हैं, वह वहां हमारे सामने होगा। और जो कुछ शब्द मैं कहता हूं उसका उत्तर मुझे देना होगा, मैं आपसे एक सेवक के नाते कहता हूं। मुझे तो यह करना ही है, क्योंकि इसके लिए परमेश्वर मुझे जिम्मेदार ठहरायेगा।

211 अब यदि मैं कर सकता, तो मैं आपको चंगा कर देता; क्योंकि आपके पास थोड़ा समय है, यधपि परमेश्वर के लिए नहीं। अब, मैंने नीचे आकर और आपके लिए जितना मैं जानता हूं, उससे प्रार्थना करूंगा। भाई, इस संसार में जो कुछ भी, मैं इस व्यक्ति के लिए कर सकता हूं, वह मैं करूंगा

जो कि वहां इस स्थिति में बैठा हुआ है।

212 और देखिए मैं आपसे पूछ सकता हूं। कि आप—आप—आप पहले ही अच्छे हो चुके हैं, क्योंकि यीशु ने कहा तुम हो गए थे। देखा, "उसके कोड़े खाने से हम चंगे हो गए।" अब यदि आप अपने हृदय की गहराई से, यह ग्रहण करते हैं, कि आप नहीं मरेंगे, परन्तु आप जीयेंगे।

213 अब, देखिए, हम जानते हैं कि वह टेलीविजन इस कमरे में से आ रहा है। हम यह जानते हैं। हम उसे नहीं देखते हैं। हम उसे नहीं देख सकते हैं, हमारी आंखें उस तरह नहीं बनी हैं, हमारी इंद्रियां उसे नहीं पकड़ सकती। उसके लिए बनी हुई ट्यूब चाहिए, या जो भी है, या क्रिस्टल है, जो कि उसे पकड़ सकता है।

214 ऐसे ही परमेश्वर की उपस्थित है। हम उसे नहीं देख सकते हैं, परन्तु हम जानते हैं कि वह यहां पर है। यीशु मसीह ऐसा ही है। देखिए, वह अपने को केवल घोषित करता है, वह अपने आप से कैसे करता है। अब, जहां तक चंगाई की बात है, यदि वह यहां पर अभी खड़ा है, वह आपके लिए इससे अधिक नहीं कर सकता, देखिए, कोई और चीज नहीं। यदि मनुष्य का पुत्र यहां पर खड़ा था, जो कि वह है, वह यहां पर है, परन्तु वह भी आपके लिए इससे अधिक नहीं कर सकता, क्योंकि वह पहले ही अपने आपको यहां प्रमाणित कर चुका है। समझे? और वह इस समय यहां पर है, बिल्कुल वैसे ही, आपको चंगा करने और स्वस्थ करने के लिए।

215 और उस छोटी महिला ने मुझे बताया, कहा, "आपने आशीष मांगी, और भविष्यवाणी की या जो कुछ भी," उसके लिए किया, कि उसे एक बच्चा मिले, जबकि वह पहिए वाली कुर्सी में बैठी थी। और उसे मिला, उसे बालक उत्पन्न हुआ।

216 और अब यहां पर एक छोटी महिला बैठी हुई है। अब उसका गले की बीमारी का ऑपरेशन हुआ था, और उससे उसे लकवा मार गया। हमने अभी बहुत सी बातों को होते हुए देखा। अब, छोटी, बहन, मैं जानता हूं कि आप एक सच्ची मसीही हैं। क्यों परमेश्वर ने आपको वहां बैठा कर रखा है, मैं नहीं जानता। मैं विश्वास करता हूं, क्योंकि हो सकता है, आप में... विश्वास है, आप—आप विश्वास प्राप्त करने का यत्न कर रही हैं, कि आप वहां से उठ कर निकल आये, देखा; परन्तु अब देखिए, हम इसके लिए कोशिश ना करें, आइए हम अब इसे ले ले, देखिए अब हम बस—हम बस

वहां होने जा रहे हैं। अब बस, अब यह ठीक अभी आरंभ होने जा रहा है, और हम चंगे होने वाले हैं। और आप लोग जो वहां कुर्सियों पर बैठे है, जहां, कहीं भी, या—या आप जो भी हैं, केवल यह याद रखिए कि मसीह यहां उपस्थित है।

217 अब, आप कहिए कि, "यहां कोई है... ? क्या आपने मेरा चित्र यहां से होकर आते हुए देखा? " ओह, हाँ।

218 यहां तक कि यीशु मसीह के वचन, जो कि उसने यहां पृथ्वी पर रहते हुए बोले, इस स्थान में घूम रहे है। वे कभी नहीं मरते। आप में से कितने लोग जानते हैं कि यह वैज्ञानिक रीति से सत्य है? भाई, वह क्या है? तब आत्मा ने वह शब्द जो लिखे हुए है, लेकर और प्रगट कर दिया। ओह, महिमा हो!

219 वह यहां पर है। वह प्रभु इस समय यहां है, प्रभु। हम केवल... हमने बहुत कुछ देखा है, उसने बहुत कुछ किया है, इतना तक कि हम एक प्रकार से, आप जानते हैं, कि बस इस पर एक तरह से ठोकर खाते है। यदि हम यह अनुभव करे, कि यह कोई पोरणीक कथा नही, कोई धर्मज्ञान की संज्ञा; परन्तु उसकी प्रतिज्ञा का यह प्रमाण है कि वह इन दिनो में अपने अप को प्रगट करेगा, यहाँ पर वह इसकी घोषणा ठीक हमारे सामने करेगा, इसी समय। कितनी बढ़िया बात है! क्या यह आश्चर्यजनक बात नहीं है?

220 अब आप विश्वास करें। क्या आप इसका विश्वास करेंगे? विश्वास करे कि आप नही मरेंगे। आप जीवित रहेंगे, और आप परमेश्वर के नाम की महिमा करेंगे। आप परमेश्वर की महिमा करने जा रहे हैं। क्या आपका कभी बपतिस्मा हुआ है? क्या आप मसीही है, आप है? और आप एक मसीही है। आप परमेश्वर के महिमा के लिए जीवित रहना चाहते हैं। तो मेरे भाई, जाईए जीवित रहिए। यीशु मसीह के नाम में, जीवित रहिए!

221 और, बहन, आप परमेश्वर की महिमा के लिए चलना चाहती है, और अपने बच्चे की देखभाल करना चाहती है; तो फिर यीशु मसीह के नाम में चलिए!

222 आप में से हर एक यीशु मसीह के नाम में ऐसा ही करे! आज रात इस वेस्टवार्ड मोटल को ना भूले, परमेश्वर की उपस्थिति यहां प्रमाणित हुई है। वह किसी व्यक्ति का तरफदार नहीं। वह केवल यह चाहता है कि आप

विश्वास करें। क्या आप अब उसका विश्वास करते हैं? आमीन। परमेश्वर आपको आशीष दे।

223 आइये अब हम अपने सिरों को झुकाये। मैं नहीं जानता कि इन्होंने सभा समाप्ति के लिए—के लिए किसको चुना है। भाई मुशेगन यहाँ है, यहाँ आइये, भाई। यह आपको प्रार्थना के साथ विदा करेंगे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

65-0119 परमेश्वर जो अनुग्रह में धनी है
वेस्टवार्ड हो होटल
फोनिक्स, एरिज़ोना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org